



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 149]  
No. 149]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 20, 2012/म्येष्ठ 30, 1934

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 20, 2012/JYAISTHA 30, 1934

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 20 जून, 2012

प्रतिभूति संविदा (विनियम) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012

फा. सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2012-13/07/13546.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 11 और धारा 30 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 4, 8क और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों की मान्यता, स्वामित्व और शासन तथा तत्संबद्ध या उनसे आनुषंगिक विषयों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय-I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (1) इन विनियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियम) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 कहा जा सकेगा।

		(2) वे भारत के राजपत्र में उनकी अधिसूचना की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
<b>परिभाषाएँ</b>		
2.	(1)	इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इसमें परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं, और उनके सजातीय पदों का अर्थ तदनुसार लगाया जायेगा। -
	(क)	"अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है;
	(ख)	"सहयुक्त", व्यक्ति के संबंध में, के अंतर्गत एक अन्य व्यक्ति होगा :
	(i)	जो, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, ख्यायं द्वारा, या अन्य व्यक्तियों के साथ, पहले व्यक्ति पर नियंत्रण का प्रयोग करता है;
	(ii)	जो पहले व्यक्ति की समादत्त इकिचटी पूँजी में पंद्रह प्रतिशत या अधिक शेयर धारण करता है;
	(iii)	जिसका निदेशक या भागीदार, यथारिथति, पहले व्यक्ति या इसकी समनुषंगी या धारिता (नियंत्री) कंपनी का निदेशक, या पहले व्यक्ति का भागीदार भी है
	(iv)	जो पहले व्यक्ति की धारिता कंपनी या समनुषंगी कंपनी या एक ही प्रबंधन जो पहले व्यक्ति का हो के अधीन कंपनी है;
	(v)	जो पहले व्यक्ति का नातेदार है;
	(vi)	जो उस हिंदू अधिभक्त कुटुंब का सदरय है जिसमें पहला व्यक्ति भी गटरथ है

(ग)	"बोर्ड" से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के उपबंधों के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अभिप्रेत है;	
(घ)	"समाशोधन निगम" से वह एंटिटी अभिप्रेत है जो उन प्रतिभूतियों या अन्य लिखतों या उत्पादों में व्यापारों का समाशोधन और निपटान करने के क्रियाकलाप करने के लिए स्थापित हैं जिनका व्यौहार (लेनदेन) या व्यापार मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है और जिसमें समाशोधन गृह सम्मिलित है;	
(ङ)	"समाशोधन सदस्य" से किसी मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समाशोधन और निपटान अधिकार रखने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है:  परंतु यह कि किसी व्यक्ति जो, इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को, समाशोधन गृह या समाशोधन निगम के समाशोधन सदस्य के रूप में कार्य कर रहा हो, को समाशोधन सदस्य समझा जायेगा, जब तक रजिस्ट्रीकरण के लिए उसका निवेदन, यदि कोई हो, बोर्ड द्वारा नामंजूर नहीं कर दिया जाता या समाशोधन निगम से उसकी सदस्यता समाप्त होने तक, जो भी पूर्वतर हो;	
(च)	"कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 3 में यथा परिभाषित कंपनी अभिप्रेत होगी;	
(छ)	"नियंत्रण" का वही अर्थ होगा जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ङ), या उसके किसी उपांतर, के अधीन इसके लिए नियत है;	
(ज)	"शासी बोर्ड" से मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है;	

	(झ)	"मुख्य प्रबंध कार्मिक" से किसी विभाग के प्रमुख के रूप में अथवा ऐसे ज्येष्ठ कार्यपालक पद पर जो उल्कम में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के विभाग (विभागों) के प्रमुख (प्रमुखों) से उच्चतर हो अथवा ऐसे स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम द्वारा इस प्रकार यथा घोषित किसी अन्य पद पर सेवारत व्यक्ति अभिप्रेत है ;
	(ज)	"नैटिंग" से प्रतिभूतियों के क्रय तथा विक्रय, कारबार के बंद हो जाने, विघटन, परिसमाप्त या दिवालियेपन या ऐसी अन्य परिस्थिति जो समाशोधन निगम की उप-विधियों में विनिर्दिष्ट की जाये से उद्भूत परस्पर बाध्यताओं या दावों का समंजन या समायोजन करके मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के समाशोधन सदस्यों में शुद्ध भुगतान या सुपुर्दगी बाध्यताओं का अवधारण अभिप्रेत है ;
	(ट)	"नवीयन" से समाशोधन निगम का प्रत्येक व्यापार (सौदे) के दोनों पक्षों (पार्टियों) के बीच रख्य का अंतःक्षेप करने का कार्य, दोनों का विधिक प्रतिपक्ष (काउंटरपार्टी) होने के नाते, अभिप्रेत है ;
	(ठ)	"सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों" का, शेयरों या मताधिकारों या नियंत्रण के अर्जन या धारण के संदर्भ में, वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (थ), या उसके किसी कानूनी उपांतर, में इसके लिए नियत है ;
	(ड)	"जनता" में जनता का कोई सदस्य या वर्ग सम्मिलित है किन्तु कोई व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) या उनके सहयुक्त और एजेंट सम्मिलित नहीं हैं :
		परंतु यह कि सावेजनिक क्षेत्र के बैंक, लोक वित्तीय संस्था, सावेजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी, पारस्परिक निधि तथा आनुकलिपक विनिधान (निवेश) निधि, जिसके पास व्यापारिक सदस्यों या समाशोधन सदस्यों के रूप में सहयुक्त हो (हों), को इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए जनता समझा जायेगा ;

	(छ)	"लोक हित निदेशक" से खतंत्र निदेशक अभिप्रेत है, जो प्रतिभूति बाजार में विनिधानकर्ताओं (नियेशकों) के हितों का प्रतिनिधित्व करता हो और जिसका, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, कोई सहयोजन न हो, जो बोर्ड की राय में, उसकी भूमिका के विरोध में हो ;
	(ण)	"मान्यताप्राप्त समाशोधन नियम" से वह समाशोधन नियम अभिप्रेत है जो अधिनियम की धारा 8क के साथ पठित धारा 4 के अधीन बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त है ;
	(त)	"विनियामक विभाग" से मान्यताप्राप्त रटाँक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन नियम का वह विभाग अभिप्रेत है जिसे विनियामक शक्तियाँ और कर्तव्य सौंपे गये हैं, और जिसमें ऐसा विभाग सम्मिलित है जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये ;
	(थ)	"नियमों" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 अभिप्रेत हैं ;
	(द)	"शेयरधारक निदेशक" से वह निदेशक अभिप्रेत है जो शेयरधारकों के हित का प्रतिनिधित्व करता हो, और ऐसे शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित या नामनिर्दिष्ट, जो, यथास्थिति, व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य, या उनके सहयुक्त या एजेंट न हों ;
	(ध)	"व्यापारिक सदस्य" से किसी मान्यताप्राप्त रटाँक एक्सचेंज में व्यापारिक अधिकार रखने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है और जिसमें रटाँक दलाल सम्मिलित है ।
	(२)	इन विनियमों में उपयोग किये गये तथा अपरिभाषित किन्तु अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 1956, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निषेपागार अधिनियम, 1996 अथवा उनके अधीन बनाये गये किन्हीं नियमों या विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, उन अधिनियमों, उनके अधीन बनाये गये नियमों या विनियमों या उनके किसी कानूनी उपांतर या पुनःअधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों ।

## अध्याय ॥

### स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों की मान्यता

#### मान्यता मांगने की वाध्यता

3. कोई भी व्यक्ति किसी स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को संचालित, का गठन नहीं करेगा या का गठन करने में सहायता नहीं देगा जब तक कि उसने अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के अनुसार बोर्ड से मान्यता अभिप्राप्त न कर ली हो :

परंतु यह कि जिस स्टॉक एक्सचेंज को इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को अधिनियम के अधीन मान्यता दी गयी हो, उसके बारे में यह समझा जायेगा कि उसे इन विनियमों के अधीन मान्यता दी गयी है और इन विनियमों के सभी उपबंध जैसे वे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के प्रति लागू होते हैं, ऐसे स्टॉक एक्सचेंज के प्रति भी लागू होंगे ।

#### मान्यता के लिए आवेदन

4. अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के उपबंधों के अनुपालन के अध्यधीन, स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता के लिए आवेदन बोर्ड को नियम 3 के अधीन यथा विहित प्ररूप के में प्रस्तुत किया जायेगा और समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कॉरपोरेशन) के रूप में मान्यता के लिए आवेदन बोर्ड को इन विनियमों की अनुसूची-I में यथा विनिर्दिष्ट प्ररूप के में प्रस्तुत किया जायेगा ।

### आवेदन के लिए फीस

5. स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक नियमों के नियम 4 के निबंधनों के अनुसार आवेदन फीस अदा करेगा, और समाशोधन निगम के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा यथा देय आवेदन फीस भी अदा करेगा।

### आवेदन के लिए दस्तावेज और विशिष्टियाँ

6. (1) यथारिथति, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में मान्यता के आवेदन के साथ संगम ज्ञापन, संगम अनुच्छेद, उप-विधियों और अन्य दस्तावेजों की प्रतियाँ संलग्न होंगी जैसा अधिनियम की धारा 3 तथा 4, नियमों के नियम 5 और इन विनियमों में उपबंधित है।

(2) उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों के अतिरिक्त, समाशोधन निगम के रूप में मान्यता के आवेदन के साथ, आवेदक द्वारा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) और निक्षेपागारों (डिपॉजिटरीज) के साथ किया गया (किये गये) करार संलग्न होगा (होंगे)।

### मान्यता प्रदान किये जाने पर विचार

7. (1) विनियम 4 के अधीन आवेदन अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के उपबंधों द्वारा विनियमित होगा।

(2) स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करेगा, अर्थात् :-

(क) आवेदक शेयरों द्वारा परिसीमित एक कंपनी है;

(ख) आवेदक का अपरस्परीकरण हो चुका है;

	(ग)	आवेदक, इसके निदेशक और इसके शेयरधारक जो शेयर धारण करते हों या धारण करने का इरादा रखते हों, विनियम 20 में यथा वर्णित उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं;
	(घ)	आवेदक इन विनियमों में विनिर्दिष्ट स्वामित्व तथा शासन संबंधी संरचना से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करता है;
	(ङ)	आवेदक इन विनियमों में विनिर्दिष्ट शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है;
	(च)	आवेदक अपेक्षित क्षमता, जिसमें इसकी वित्तीय क्षमता, कृत्यात्मक विशेषज्ञता और अवसंरचना सम्मिलित है, को पूरा करता है;
		स्पष्टीकरण - इस उप-विनियम के प्रयोजनों के लिए, शब्द "अपरस्परीकरण" से यह अभिप्रेत है कि आवेदक का स्वामित्व और प्रबंधन इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार, यथास्थिति, व्यापारिक अधिकारों या समाशोधन अधिकारों से पृथक्कृत है।
	(3)	स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक, उप-विनियम (1) तथा (2) में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करेगा, अर्थात् :-
	(क)	आवेदक के पास व्यापारों के व्यवस्थित निष्पादन के लिए आवश्यक अवसंरचना है;
	(ख)	आवेदक के पास ऑन-लाइन स्क्रीन-आधारित व्यापारिक प्रणाली (ट्रेडिंग सिस्टम) है;
	(ग)	आवेदक के पास ऑन-लाइन निगरानी क्षमता है जो वास्तविक-समय (रियल टाइम) आधार पर स्थितियों (पोजीशन), कीमतों और मात्राओं का अनुश्रवण करती हो, ताकि बाजार सत्यनिष्ठा सुनिश्चित हो सके;

	(ध)	आवेदक के पास इसके प्लेटफॉर्म पर व्यापार हेतु प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करने के लिए अवसरचना है, जहाँ कहीं भी लागू हो ;
	(ज)	आवेदक के पास व्यापारिक सदस्यों का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क रखने के लिए आवश्यक क्षमता है और इसके पास अपने सदस्यों को स्वीकारे जाने तथा उन्हें विनियमित किये जाने की पर्याप्त सुविधा है ;
	(च)	आवेदक ने अपने व्यापारिक सदस्यों और समाशोधन निगम के साथ संयोजकता स्थापित करने के लिए आवश्यक इतजाम कर लिये हैं ;
	(छ)	आवेदक के पास पर्याप्त विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण निधि और विनिधानकर्ता (निवेशक) सेवा निधि है ;
	(ज)	आवेदक के पास विनिधानकर्ता (निवेशक) शिकायत निवारण की पर्याप्त व्यवस्था है और व्यापारों तथा इनके निपटान से उद्भूत विवादों का निपटारा करने के लिए माध्यरथम् व्यवस्था है ;
	(झ)	व्यापारों, मात्राओं और भावों से संबंधित जानकारी वास्तविक-समय (रियल टाइम) आधार पर जानकारी देने वाले कम से कम दो नेटवर्कों (वेंडिंग नेटवर्क) तक, जिन तक देश के विनिधानकर्ता (निवेशक) घुंच सकें प्रसारित करने की सुविधा आवेदक के पास है ;
	(झ)	आवेदक के पास संकट निवारण (डिजास्टर रिकवरी) साइट सहित कारबार सतत योजना से समर्थित पर्याप्त प्रणाली क्षमता है ;
	(ट)	आवेदक के पास इसके नियोजन में (काम पर), पर्याप्त संख्या में ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें पर्याप्त वृत्तिक और अन्य सुसंगत अनुभव है ;
	(ठ)	कारबार व्यवहार्यता योजना का अकन प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी ख्यातिप्राप्त एजेंसी द्वारा कर लिया गया है ;

	(ङ)	कोई अन्य शर्तें जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जायें ।
	(४)	समाशोधन निगम के रूप में मान्यता चाहने वाला आवेदक, उप-विनियम (१) तथा (२) में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करेगा, अर्थात् :-
	(क)	आवेदक के पास ठीक समय में व्यापारों के समाशोधन और निपटान को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अवसंरचना है ;
	(ख)	आवेदक के पास पर्याप्त जोखिम प्रबंधन व्यवस्था है ;
	(ग)	आवेदक के पास निपटान प्रक्रिया है जिसमें नैटिंग, नवीयन (नोवेशन) और व्यापारों के निपटान हेतु गारंटी सम्मिलित है, जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रकार के अनुसार है ;
	(घ)	आवेदक के पास व्यापारों के निपटान की गारंटी के लिए निधि स्थापित करने की क्षमता है ;
	(ङ)	आवेदक के पास समाशोधन सदस्यों का व्यापक नेटवर्क रखने के लिए आवश्यक क्षमता है और इसके पास अपने सदस्यों को स्वीकारे जाने तथा उन्हें विनियमित किये जाने की पर्याप्त सुविधा है ;
	(च)	आवेदक ने निषेपागारों, समाशोधन (क्लीयरिंग) बैंकों, स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन सदस्यों के साथ संयोजकता स्थापित की है ;
	(छ)	समाशोधित होने वाले और निपटाये जाने वाले व्यापारों के ऑन-लाइन / वास्तविक-समय (रियल टाइम) आधार पर जोखिम प्रबंधन के लिए आवेदक के पास पर्याप्त प्रणाली क्षमता है और जो संकट निवारण साइट सहित उपयुक्त कारबार सतत योजना से समर्थित है ;
	(ज)	आवेदक के पास इसके नियोजन में (काम पर), पर्याप्त संख्या में ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें पर्याप्त वृत्तिक और अन्य सुसंगत अनुभव, बोर्ड के

	समाधानप्रद रूप में, है।
(झ)	आवेदक के पास व्यापारों के समाशोधन और निपटान से उद्भूत विवादों का निपटारा करने और शिकायतों को दूर करने के लिए आवश्यक इंतजाम हैं।
(झ)	व्यापारों के समाशोधन और निपटान के संबंध में आवेदक का निष्पेपागार के साथ और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के साथ करार है।
(ट)	कारबाह व्यवहार्यता योजना का अंकन प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी ख्यातिप्राप्त एजेंसी द्वारा कर लिया गया है।
(ठ)	कोई अन्य शर्तें जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जायें।
(5)	<p>बोर्ड, इस विनियम में अधिकथित शर्तों का अनुपालन करने की आवेदक की क्षमता के संबंध में समाधान हो जाने पर, आवेदक को सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान कर सकेगा जो एक वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगा।</p> <p>परंतु यह कि बोर्ड, आवेदक द्वारा पर्याप्त कारण बताये जाने पर, सैद्धांतिक अनुमोदन की विधिमान्यता को छह महीनों से अनधिक अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ा सकेगा।</p>
<b>जाँच करने और जानकारी मंगाने की शक्ति</b>	
8.	बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को भान्यता प्रदान करने से पहले, जाँच कर सकेगा और ऐसी अतिरिक्त जानकारी या दस्तावेज दिये जाने की अपेक्षा कर सकेगा, जैसा यह आवश्यक समझे।

### मान्यता प्रदान करना

9.	<p>(1) बोर्ड, विनियम 4 के अधीन आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक ने विनियम 7 में अधिकस्थित शर्तों का अनुपालन किया है और वह, यथारिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के रूप में कार्य करने के लिए पात्र है, अधिनियम की धारा 4 के निबंधनों के अनुसार, प्रतिभूति बाजार के हित में, आवेदक को मान्यता प्रदान कर सकेगा।</p> <p>(2) उपविनियम (1) के अधीन स्टॉक एक्सचेंज को प्रदान की गयी मान्यता नियमों के प्ररूप ख में होगी।</p> <p>(3) समाशोधन निगम को प्रदान की गयी मान्यता इन विनियमों की अनुसूची-I के प्ररूप ख में होगी।</p> <p>(4) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम ऐसी अन्य शर्तों, जिनमें उन प्रतिभूतियों के स्वरूप से संबंधित शर्तें सम्मिलित हैं जिनका व्यौहार (लेनदेन) किया जाना है, का अनुपालन करेंगे जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर अधिरोपित की जायें।</p>
----	--

### मान्यता की अवधि

10.	<p>(1) स्टॉक एक्सचेंज को प्रदान की गयी मान्यता की अवधि नियमों के नियम 6 के अनुसार होगी।</p> <p>(2) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को प्रदान की गयी मान्यता, जब तक कि स्थायी आधार पर प्रदान न की जाये, कम से कम एक वर्ष की ऐसी अवधि के लिए होगी जैसा मान्यता में विनिर्दिष्ट किया जायें।</p>
-----	--

### विनियामक फीस

11.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज भारतीय प्रतिमूलि और विनियमों द्वारा दिए गए विनियामक फीस (स्टॉक एक्सचेंजों पर विनियामक फीस) विनियम, 2006 के निबंधनों के अनुसार विनियामक फीस अदा करेगा।
	(2)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम विनियामक फीस अदा करेगा जैसा बोर्ड विनिर्दिष्ट करे।

### मान्यता का नवीकरण

12.	(1)	नियमों के नियम 7 के अतिरिक्त, इन विनियमों के उपबंध, जैसे वे स्टॉक एक्सचेंज को मान्यता प्रदान किये जाने के लिए लागू होते हैं, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की मान्यता के नवीकरण के आवदेन के संबंध में भी लागू होंगे।
	(2)	मान्यता का नवीकरण चाहने वाला मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बोर्ड को इन विनियमों की अनुसूची-I के प्रलैप के में आवेदन करेगा और ऐसा आवदेन मान्यता की समाप्ति की तारीख से कम से कम तीन महीने पहले बोर्ड के पास पहुंच जायेगा।
	(3)	इन विनियमों के उपबंध, जैसे वे समाशोधन निगम को मान्यता प्रदान किये जाने के लिए लागू होते हैं, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की मान्यता के नवीकरण के आवदेन के संबंध में भी लागू होंगे।
	(4)	स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता का नवीकरण चाहने वाला आवेदक नियमों के नियम 7 के निबंधनों के अनुसार फीस अदा करेगा, और समाशोधन निगम के रूप में मान्यता का नवीकरण चाहने वाला आवेदक स्टॉक एक्सचेंज द्वारा यथोदेय फीस भी अदा करेगा।
	(5)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम,

		यथारिति, विनियम 7 के उप-विनियम (3) तथा उप-विनियम (4) में विनिर्दिष्ट लागू शर्तों का, सतत आधार पर, अनुपालन करेंगे।
--	--	---

**मान्यता का वापस लिया जाना**

13. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम को प्रदान की गयी मान्यता अधिनियम की धारा 5 के अधीन उपबंधित रीति से वापस ली जा सकेगी।

**अध्याय III****स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ)****शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) अपेक्षाएँ**

14. (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की न्यूनतम शुद्ध-मालियत सभी समयों पर एक सौ करोड़ रुपये की होगी:

परंतु यह कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसकी इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख तक को शुद्ध-मालियत कम हो, इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के भीतर एक सौ करोड़ रुपये की शुद्ध-मालियत पूरी करेगा।

(2) विनियम 4 के अधीन समाशोधन निगम के रूप में मान्यता चाहने वाले प्रत्येक आवेदक की न्यूनतम शुद्ध-मालियत एक सौ करोड़ रुपये की होगी:

परंतु यह कि उप-विनियम (2) उस आवेदक पर लागू नहीं होगा जो इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख तक को मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के व्यापारों का समाशोधन और निपटान करता है।

(3)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम इन विनियमों के अधीन प्रदान की गयी मान्यता की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के भीतर तीन सौ करोड़ रुपये की शुद्ध-मालियत पूरी करेगा :
	परंतु यह कि बोर्ड, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा किये गये आवेदन पर, प्रतिभूति बाजार के हित में ऊपर विनिर्दिष्ट समय को बढ़ा सकेगा ।
(4)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम अपने शेयरधारकों को किसी भी प्रकार से लाभ वितरित नहीं करेगा जब तक, यथारिथति, उप-विनियम (1) और (3) के अधीन विनिर्दिष्ट शुद्ध-मालियत पूरी नहीं हो जाती ।
(5)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के सितम्बर महीने के तीसवें दिन तक, वार्षिक आधार पर कानूनी लेखापरीक्षक का लेखापरीक्षित शुद्ध-मालियत प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा ।
<b>स्पष्टीकरण I</b> - इस विनियम के प्रयोजनों के लिए, "स्टॉक एक्सचेंज की शुद्ध-मालियत" से समादर्त इक्विटी शेयर पूँजी और खुली आरक्षितियों का कुल मूल्य (कानूनी निधियों, प्रसुविधा निधियों(बेनेफिट फंड), और पुनर्मूल्यांकन में से सृजित आरक्षितियों को छोड़कर), उसमें से कारबारों में विनिधानों (निवेशों), चाहे संबद्ध हों या असंबद्ध, को, संचित हानियों तथा आस्थगित व्यय जो बट्टे-खाते में न डाले गये हों, जिसमें बट्टे-खाते न डाले गये विविध व्यय सम्मिलित हैं, को घटाकर, अभिप्रेत है ।	
<b>स्पष्टीकरण II</b> - इस विनियम के प्रयोजनों के लिए, "समाशोधन निगम की शुद्ध-मालियत" से अर्थसुलभ (लिविंग) आरितियों का कुल मूल्य, जिसकी गणना बोर्ड द्वारा समय-समय पर यथा विनिर्दिष्ट प्रकार से की गयी हो, अभिप्रेत है ।	

## अध्याय IV

### स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों का स्वामित्व

स्टॉक एक्सचेंजों या समाशोधन निगमों के द्वारा अपनी विधि का विवरण

#### परिभाषाएँ

15.	इस अध्याय के प्रयोजनों के लिए
(क)	"बैंककारी कंपनी" का वही अर्थ होगा जो बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के खण्ड (ग) में इसके लिए नियत है;
(ख)	"बीमा कंपनी" का वही अर्थ होगा जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 2 की उप-धारा (8) में इसके लिए नियत है;
(ग)	"भारत में निवासी व्यक्ति" का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खण्ड (फ) में इसके लिए नियत है;
(घ)	"भारत से बाहर निवासी व्यक्ति" का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खण्ड (ब) में इसके लिए नियत है।
<b>साधारण शर्तें</b>	
16. (1)	जैसा इन विनियमों में अन्यथा उपबोधित है उसके सिवाय, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में किसी व्यक्ति की शेयरधारिता या उसके मताधिकार किसी भी समय इस अध्याय में

		विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक नहीं होंगे।
	(2)	इस अध्याय में यथा विनिर्दिष्ट शेयरधारिता में, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वामित्वाधीन या नियंत्रित कोई लिखत सम्पत्ति होगी जो किसी भावी तारीख को इकिवटी या इकिवटी पर अधिकारों की हकदारी उपलब्ध कराती हो :
		परंतु यह कि किसी इकिवटी या इकिवटी पर अधिकारों, इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को इस अध्याय में विनिर्दिष्ट शेयरधारिता की सीमा से अधिक ऐसी लिखतों से उद्भूत, को विनिर्दिष्ट सीमा तक ऐसी अवधि के भीतर कम किया जायेगा जो बोर्ड द्वारा विनिश्चित की जाये, जिसे ऐसे प्रारंभ की तारीख से तीन वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा ।
<b>मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरधारिता</b>		
17.	(1)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी का कम से कम इक्यावन प्रतिशत जनता द्वारा धारित होगा ।
	(2)	भारत में निवासी कोई भी व्यक्ति किसी भी समय, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा :
		परंतु यह कि,-
	(i)	स्टॉक एक्सचेंज ;
	(ii)	निक्षेपागार ;
	(iii)	बैंककारी कंपनी ;
	(iv)	बीमा कंपनी ; और
	(v)	लोक वित्तीय संस्था,

		या तो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त इकियटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक का अर्जन या को धारण कर सकेगी ।
	(3)	भारत से बाहर निवासी कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में समादत्त इकियटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा ।
	(4)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त इकियटी शेयर पूँजी में भारत से बाहर निवासी सभी व्यक्तियों की संयुक्त धारिता (होल्डिंग), किसी भी समय, इसकी कुल समादत्त इकियटी शेयर पूँजी के उनचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, निम्नलिखित के अध्यधीन :-
	(क)	विदेशी प्रत्यक्ष विनिधान (निवेश) मार्ग के माध्यम से अर्जित ऐसे व्यक्तियों की संयुक्त धारिता कुल समादत्त इकियटी शेयर पूँजी के छब्बीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, किसी भी समय ;
	(ख)	विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की संयुक्त धारिता कुल समादत्त इकियटी शेयर पूँजी के तेर्इस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, किसी भी समय ;
	(ग)	कोई भी विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वितीयक बाजार के माध्यम से अन्यथा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के शेयर अर्जित नहीं करेगा ।
		स्पष्टीकरण - खंड (ग) के प्रयोजनों के लिए, द्वितीयक बाजार के माध्यम से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरों के अर्जन का अर्थ निम्नानुसार लगाया जाएगा :-
	I.	यदि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज सूचीबद्ध नहीं है, तो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के बाहर संव्यवहारों के माध्यम से इसके शेयर अर्जित कर सकेगा परंतु यह शेयरों का आरंभिक

		आबंटन न हो ;
	II.	यदि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज सूचीबद्ध है, तो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा संव्यवहार उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से किये जायेंगे जहाँ ऐसे शेयर सूचीबद्ध हैं ।
	(5)	कोई भी समाशोधन निगम किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में, कोई अधिकार, हिस्सा (स्टेक) या हित, चाहे किसी भी रूपरूप का हो, धारण नहीं करेगा ।
<b>मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में शेयरधारिता</b>		
18.	(1)	मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी का कम से कम इक्यावन् प्रतिशत एक या एक से अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) द्वारा धारित होगा :
		परंतु यह कि कोई भी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, एक से अधिक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा ।
	(2)	भारत में निवासी कोई भी व्यक्ति, उप-विनियम (1) में यथा अनुज्ञात मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के सिवाय, किसी भी समय, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा :
		परंतु यह कि,-
	(i)	निक्षेपागार ;

	(ii)	बैंककारी कंपनी ;
	(iii)	बीमा कंपनी ; और
	(iv)	लोक वित्तीय संस्था,
		या तो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक का अर्जन या को धारण कर सकेगी।
	(3)	भारत से बाहर निवासी कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण नहीं करेगा।
	(4)	मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी में भारत से बाहर निवासी सभी व्यक्तियों की संयुक्त धारिता (होल्डिंग), किसी भी समय, इसकी कुल समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के उनचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, निम्नलिखित के अध्यधीन :-
	(क)	विदेशी प्रत्यक्ष विनिधान (निवेश) भार्ग के माध्यम से अर्जित ऐसे व्यक्तियों की संयुक्त धारिता कुल समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के छब्बीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, किसी भी समय;
	(ख)	विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की संयुक्त धारिता कुल समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के तेर्झस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, किसी भी समय;
	(ग)	कोई भी विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वितीयक बाजार के माध्यम से अन्यथा मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शेयर अर्जित नहीं करेगा।
	(5)	इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को इस विनियम में विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में इकिवटी शेयर धारण करने वाला कोई व्यक्ति ऐसे प्रारंभ की तारीख से तीन वर्षों की

		अवधि के भीतर इस विनियम में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन करेगा ।
<b>विनिर्दिष्ट सीमाओं के शेयर अर्जित करने या धारण करने के लिए पात्रता</b>		
19.	(1)	कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के इकिवटी शेयरों का अर्जन या को धारण नहीं करेगा, जब तक कि वह उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति न हो ।
	(2)	कोई व्यक्ति जो, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, या तो अलग-अलग या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, इस प्रकार इकिवटी शेयर अर्जित करता है कि उसकी शेयरधारिता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के दो प्रतिशत से अधिक हो जाती है, अर्जन के पंद्रह दिनों के भीतर बोर्ड का अनुमोदन मांगेगा ।
	(3)	विनियम 17 के उप-विनियम (2) और विनियम 18 के उप-विनियम (2) के अधीन समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन करने या को धारण करने के लिए पात्र व्यक्ति मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या को धारण कर सकेगा, केवल तभी जब उसने बोर्ड का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया हो ।
	(4)	इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम की समादत्त इकिवटी शेयर पूँजी के दो प्रतिशत से अधिक धारण करने वाला कोई व्यक्ति, ऐसे प्रारंभ की तारीख से नब्बे दिनों की अवधि के भीतर इस विनियम का अनुपालन सुनिश्चित करेगा ।
	(5)	यदि उप-विनियम (2) या (3) के अधीन अनुमोदन बोर्ड द्वारा किसी व्यक्ति को प्रदान नहीं किया जाता है, तो ऐसा व्यक्ति अपनी अधिक शेयरधारिता को तुरंत निर्निहित कर देगा ।

		(6) यथारिथति, मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में समादर्त इक्विटी शेयर पूँजी के दो प्रतिशत से अधिक धारण करने वाला कोई व्यक्ति, प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पंद्रह दिनों के भीतर, यथारिथति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को यह धोषणा दाखिल करेगा कि वह इन विनियमों में उपबंधित उपयुक्त तथा उचित संबंधी मानदंड का अनुपालन करता है।
<b>उपयुक्त तथा उचित संबंधी मानदंड</b>		
20.	(1)	इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए, किसी व्यक्ति को उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति समझा जायेगा यदि -
	(क)	ऐसे व्यक्ति की साधारण ख्याति हो और उसका निष्पक्षता तथा सत्यनिष्ठा का रिकार्ड हो, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है किंतु निम्नलिखित तक ही सीमित नहीं है -
	(i)	वित्तीय निष्ठा ;
	(ii)	अच्छी ख्याति और चरित्र ; और
	(iii)	ईमानदारी ;
	(ख)	ऐसे व्यक्ति ने निम्नलिखित निरहेताओं में से कोई उपगत न की हो -
	(i)	व्यक्ति, या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी, को किसी अपराध जिसमें नैतिक अधमता या कोई आर्थिक अपराध अंतर्वलित हो या प्रतिभूति विधियों के प्रति किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा सिद्धदोष ठहराया गया है;
	(ii)	व्यक्ति के खिलाफ परिसमाप्तन के लिए आदेश पारित किया गया है ;
	(iii)	व्यक्ति, या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी,

		को दिवालिया घोषित किया गया है और उन्मोचित नहीं किया गया है ;
	(iv)	व्यक्ति, या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी, को प्रतिभूतियों में व्यौहार करने से या प्रतिभूति बाजार में पहुंच रखने से अवरुद्ध करते हुए, प्रतिषिद्ध करते हुए या विवरित करते हुए, कोई आदेश बोर्ड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है, और आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से तीन वर्षों की अवधि बीत नहीं गयी है ;
	(v)	व्यक्ति, या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी, के खिलाफ कोई अन्य आदेश, जो प्रतिभूति बाजार से संबंधित हो, बोर्ड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है, और आदेश की तारीख से तीन वर्षों की अवधि बीत नहीं गयी है ;
	(vi)	सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा यह निष्कर्ष निकाला गया है कि व्यक्ति विकृत चित्त का है और यह निष्कर्ष प्रवर्तनशील है; और
	(vii)	व्यक्ति वित्तीय रूप से सुदृढ़ नहीं है ।
	(2)	यदि इस विषय पर कोई प्रश्न उठता है कि क्या व्यक्ति उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति है, तो ऐसे प्रश्न पर बोर्ड का विनिश्चय अंतिम होगा ।
	<b>शेयरधारिता का प्रकटीकरण</b>	
21.	(1)	अधिनियम, नियमों और इन विनियमों के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बोर्ड को, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट फॉर्मेट में, प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पंद्रह दिनों के भीतर तिमाही आधार पर अपना शेयरधारिता पैटर्न प्रकट करेगा (करेंगे), जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :-
	(क)	दस बड़े शेयरधारकों के नाम उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या और प्रतिशत के साथ ;

	(ख)	विनियम 17 तथा 18 के अधीन आने वाले शेयरधारकों के नाम जिन्होंने उस तिमाही में शेयर अर्जित किये थे ।
	(2)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम सभी समयों पर इस अध्याय के अनुपालन का अनुश्रवण करेंगे और उसे सुनिश्चित करेंगे ।
<b>अभिलेख (रिकार्ड) रखना</b>		
22.		अन्य प्रवृत्त विधियों के अधीन अपेक्षाओं के अतिरिक्त, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम कम से कम दस बर्षों की अवधि के लिए अपनी प्रतिभूतियों के निर्गमन या अंतरण से संबंधित समस्त वहियाँ, रजिस्टर, अन्य दस्तावेज और अभिलेख रखेंगे और उन्हें परिरक्षित रखेंगे ।

## अध्याय V

### स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों का शासन

<b>शासी बोर्ड की संरचना</b>		
23.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :
	(क)	शेयरधारक निदेशक ;
	(ख)	लोक हित निदेशक, और,

	(घ) प्रबंधक निदेशक ।
(2)	बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के अध्यधीन, अध्यक्ष को शासी बोर्ड द्वारा लोक हित निदेशकों में से निर्वाचित किया जायेगा ।
(3)	लोक हित निदेशकों की संख्या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरधारक निदेशकों की संख्या से कमतर नहीं होगी ।
(4)	मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के लोक हित निदेशकों की संख्या दो-तिहाई से कम नहीं होगी, और शेयरधारक निदेशक एक-तिहाई से अधिक नहीं होंगे, इसके शासी बोर्ड की सदस्य-संख्या के ।
(5)	प्रबंध निदेशक शासी बोर्ड में पदेन निदेशक होगा और जो या तो लोक हित निदेशकों या शेयरधारक निदेशकों के प्रवर्ग में सम्मिलित नहीं होगा ।
(6)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के किसी कर्मचारी को शासी बोर्ड में प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त नियुक्त किया जा सकेगा, और ऐसा निदेशक शेयरधारक निदेशक समझा जायेगा ।
(7)	कोई भी व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य, या उनके सहयुक्त तथा एजेंट, किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड में नहीं होंगे ।
(8)	शासी बोर्ड की बैठकों में कोरम को पूरा करने के लिए कम से कम एक लोक हित निदेशक उपस्थित होगा ।
(9)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड में किसी भी विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा ।
(10)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख

		से तीन महीनों के भीतर इस विनियम के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा।
<b>निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें</b>		
24.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड में सभी शेयरधारक निदेशकों की नियुक्ति और पुनर्नियुक्ति बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से होगी।
	(2)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के शासी बोर्ड में लोक हित निदेशक बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किये जायेंगे।
	(3)	लोक हित निदेशकों को तीन वर्षों की नियत अवधि के लिए, या ऐसी बढ़ायी गयी अवधि के लिए नामनिर्दिष्ट किया जायेगा, जैसा बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाये।
	(4)	यदि इस विषय पर कोई प्रश्न उठता है कि क्या लोक हित निदेशक का कर्तव्यभार या पद उसकी भूमिका के विरोध में है, तो बोर्ड का विनिश्चय अंतिम होगा।
	(5)	लोक हित निदेशक को एक वर्ष की विराम (कूलिंग-ऑफ) अवधि या ऐसी अवधि के पश्चात् पुनः नामनिर्दिष्ट किया जा सकेगा जैसा बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हित में ठीक समझे।
	(6)	लोक हित निदेशकों को केवल कंपनी अधिनियम, 1956 में यथा विनिर्दिष्ट बैठक फीस अदा की जायेगी।
<b>प्रबंध निदेशक की नियुक्ति</b>		

25.	<p>(1) मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति, नियुक्ति का नवीकरण और सेवा समाप्ति बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के अध्यधीन होगी।</p> <p>(2) प्रत्येक मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अध्यधीन, प्रबंध निदेशक की अहता, नियुक्ति की रीति, नियुक्ति के निबन्धन और शर्तों, और उसके चयन / नियुक्ति से संबंधित अन्य प्रक्रिया-संबंधी औपचारिकताओं का अवधारण करेगा।</p> <p>(3) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति कम से कम तीन वर्षों की ओर पाँच वर्षों से अनधिक अवधि के लिए होगी।</p> <p>(4) मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रबंध निदेशक -</p> <p>(क) यथास्थिति, मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का शेयरधारक या के शेयरधारक का सहयुक्त अथवा मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के सहयुक्त का शेयरधारक नहीं होगा;</p> <p>(ख) व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य, या उसका सहयुक्त तथा एजेंट, अथवा व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य का शेयरधारक अथवा व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य के सहयुक्त तथा एजेंट का शेयरधारक नहीं होगा ; या</p> <p>(ग) साथ-साथ, मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी में, अथवा मान्यताप्राप्त रस्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम से सहयुक्त किसी अन्य एंटिटी में कोई पद धारण नहीं करेगा :</p>
-----	---

		परंतु यह कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का प्रबंध निदेशक, यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी के शासी बोर्ड में नियुक्त हो सकेगा, किन्तु के प्रबंध निदेशक के रूप में नहीं।
	(5)	प्रबंध निदेशक बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों, मार्गदर्शक रिहाईयों और अन्य आदेशों, या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के नियमों, संगम अनुच्छेद, उपविधियों तथा विनियमों को कार्यान्वित करने में असफलता के लिए बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड द्वारा सेवा से हटाये जाने या सेवा समाप्ति के लिए दायी होगा।
	(6)	बोर्ड स्वप्रेरणा से प्रबंध निदेशक को हटा सकेगा या की नियुक्ति समाप्त कर सकेगा यदि प्रतिभूति बाजार के हित में ठीक समझा जाये :
परंतु यह कि किसी भी प्रबंध निदेशक को हटाया नहीं जायेगा जब तक कि उसे सुने जाने का उचित अवसर न दे दिया गया हो।		
<b>निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिक के लिए आचार-संहिता</b>		
26.	(1)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-क के अधीन विनिर्दिष्ट आचार संहिता का पालन करेगा।
	(2)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-ख के अधीन विनिर्दिष्ट सदाचार संहिता का पालन करेगा।
	(3)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक विनियम 20 में यथा वर्णित उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति होगा।
	(4)	बोर्ड, इन विनियमों या आचार संहिता या सदाचार संहिता का पालन

करने में निदेशकों की असफलता के लिए या किसी हित विरोध के मामले में, या तो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम से निर्देश मिलने पर या स्वप्रेरणा से, समुचित कार्रवाई कर सकेगा जिसमें किसी निदेशक को, सुने जाने का उचित अवसर दिये जाने के पश्चात्, हटाया जाना या उसकी नियुक्ति को समाप्त किया जाना सम्मिलित है।

### मुख्य प्रबंध कार्मिक का प्रतिकर और उनकी पदावधि

27.	(1)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बहुसंख्यक लोक हित निदेशकों से गठित प्रतिकर समिति, और जिसकी अध्यक्षता लोक हित निदेशक द्वारा की जाती है, का गठन करेगा।
	(2)	प्रतिकर समिति प्रतिकर नीति के निबंधनों के अनुसार मुख्य प्रबंध कार्मिक के प्रतिकर का अवधारण करेगी।
	(3)	प्रतिकर नीति बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार होगी।
	(4)	प्रबंध निदेशक को देय प्रतिकर बोर्ड द्वारा दिये गये अनुमोदन के अनुसार होगा और प्रबंध निदेशक के प्रतिकर के निबंधनों और शर्तों में परिवर्तन बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा।
	(5)	मुख्य प्रबंध कार्मिक को दिया जाने वाला प्रतिकर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 के अधीन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की रिपोर्ट में प्रकट किया जायेगा।
	(6)	मुख्य प्रबंध कार्मिक, निदेशक से भिन्न, की पदावधि, निश्चित अवधि के लिए होगी, जैसा प्रतिकर समिति द्वारा विनिश्चय किया जाये।

### विनियामक विभागों का पृथक्करण

**28.** मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम इन विनियमों की अनुसूची-II के भाग-ग में विनिर्दिष्ट प्रकार से अपने विनियामक विभागों को अन्य विभागों से पृथक् करेगा।

### अन्वेषा समितियाँ

**29.** (1) प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज निम्नलिखित के संबंध में हित विरोधों को दूर करने के लिए शासी बोर्ड की रवतंत्र अन्वेषा समितियाँ गठित करेगा, जिनमें से प्रत्येक की अध्यक्षता लोक हित निदेशक द्वारा की जायेगी:-

- (क) सदस्य विनियमन;
- (ख) सूचीबद्धता कृत्य; और
- (ग) व्यापारिक और निगरानी कृत्य।

(2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट न्यूनतम सूचीबद्धता मानकों का अनुसरण करेगा।

(3) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट भागों को देखने वाले विभागों के प्रमुख सीधे संबंधित समिति को और प्रबंध निदेशक को भी रिपोर्ट करेंगे।

(4) विनियामक विभाग के प्रमुख के खिलाफ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की कोई कार्रवाई उप-विनियम (1) के अधीन विनिर्दिष्ट संबंधित समिति को अपील के अधीन होगी, ऐसी अवधि के भीतर जो शासी बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये।

(5) इस विनियम के उपबंध यथावश्यक परिवर्तन सहित मान्यताप्राप्त

		समाशोधन निगम पर लागू होंगे ।
<b>सलाहकार समिति</b>		
30.	(1)	सलाहकार समिति का गठन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड द्वारा, शासी बोर्ड को गैर-विनियामक और प्रचालन-संबंधी विषयों जिनमें प्रोडक्ट डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रभार या उगाहियाँ सम्मिलित हैं के संबंध में सलाह देने के लिए किया जायेगा ।
	(2)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की सलाहकार समिति इसके व्यापारिक सदस्यों से समाविष्ट होगी और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की सलाहकार समिति इसके समाशोधन सदस्यों से समाविष्ट होगी ।
	(3)	शासी बोर्ड का अध्यक्ष सलाहकार समिति का प्रमुख होगा और प्रबंध निदेशक सलाहकार समिति की प्रत्येक बैठक में रथायी रूप से आमंत्रित होगा ।
	(4)	सलाहकार समिति एक वर्ष में कम से कम चार बैठकें करेगी, दो बैठकों के बीच में अधिकतम तीन महीनों का अंतर होगा ।
	(5)	सलाहकार समिति की सिफारिशों मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड की आगामी बैठक में, शासी बोर्ड द्वारा विचार और समुचित विनिश्चय किये जाने के लिए, रखी जायेंगी, और ऐसी सिफारिशों को उनके संबंध में शासी बोर्ड के विनिश्चय सहित उनके अपने-अपने वेबसाइटों पर प्रकट किया जायेगा ।
	(6).	व्यापारिक सदस्य और समाशोधन सदस्य, यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की किसी अन्य समिति का भाग नहीं होंगे ।
<b>समाशोधन निगम की जोखिम प्रबंधन समिति</b>		

31.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम इसके लोक हित निर्देशकों और स्वतंत्र बाह्य विशेषज्ञों से समाविष्ट जोखिम प्रबंधन समिति का गठन करेगा, जो शासी बोर्ड को रिपोर्ट करेगी।
	(2)	जोखिम प्रबंधन समिति विस्तृत जोखिम प्रबंधन नीति बनायेगी और जो शासी बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जायेगी।
	(3)	जोखिम प्रबंधन विभाग का प्रमुख जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगा और वह मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की जोखिम प्रबंधन समिति को और उसके प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करेगा।
	(4)	जोखिम प्रबंधन समिति जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन का अनुश्रवण करेगी और बोर्ड तथा शासी बोर्ड को इसके कार्यान्वयन तथा विचलन, यदि कोई हो, से अवगत कराती रहेगी।
<b>अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति</b>		
32.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम अनुपालन अधिकारी को नियुक्त करेगा जो अधिनियम, कंपनी अधिनियम, 1956, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, तदधीन जारी नियमों, विनियमों, या निदेशों के अनुपालन का अनुश्रवण करने के लिए और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की शिकायतों को दूर करने के लिए जिम्मेदार होगा।
	(2)	अनुपालन अधिकारी उप-विनियम (1) में कथित किसी उपबंध के किसी अननुपालन, जो उसने स्वयं देखा हो, की रिपोर्ट बोर्ड को, तुरंत और स्वतंत्र रूप से, देगा।
<b>लाभों का अंतरण</b>		
33.		प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अपने लाभों का पर्चीस प्रतिशत मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों), जो उस स्टॉक एक्सचेंज में निष्पादित व्यापारों का

समाशोधन और निपटान करता है (करते हैं), की निधि, विनियम 39 में यथा विनिर्दिष्ट, में प्रत्येक वर्ष जमा करेगा।

### शास्तियों का अंतरण

34. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा उद्गृहीत शास्तियाँ, यथारिथति, इसकी विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण निधि या विनियम 39 में यथा विनिर्दिष्ट निधि में जमा की जायेंगी।

### प्रकटीकरण और कंपनी (कारपोरेट) शासन मानदंड

35. सूचीबद्ध कंपनियों के लिए यथा विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अपेक्षाएँ और कंपनी शासन मानदंड यथावश्यक परिवर्तन सहित मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम पर लागू होंगे।

## अध्याय VI

### साधारण बाध्यताएँ

### व्यापारों का समाशोधन और निपटान

36. प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज इस निमित्त बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख से, अपने व्यापारों के समाशोधन और निपटान के लिए मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) की सेवाओं का उपयोग करेगा।

### स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम के बीच करार

37. (1) उप-विनियम (2) के उपबंधों के अध्यधीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज

		मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की सेवा का लाभ उठायेगा, उनके बीच हुए लिखित करार के अनुसरण में जिसके अंतर्गत उनके अधिकार तथा बाध्यताएँ, समाशोधन तथा निपटान के लिए प्रतिभूतियों को स्वीकार करने की शर्तें, जोखिम प्रबंधन उपाय, समाशोधन तथा निपटान के लिए प्रभार और अन्य आनुषंगिक तथा पारिणामिक विषय नियत हों।
	(2)	स्टॉक एक्सचेंज ऐसे स्टॉक एक्सचेंज में निष्पादित व्यापारों के समाशोधन और निपटान से उद्भूत विवादों या दावों के निपटारे के लिए अपनी माध्यरथम् व्यवस्था प्रदान करेगा।
<b>समाशोधन और निपटान के लिए प्रतिभूतियों स्वीकार करना</b>		
38.		मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के किसी खंड को अपनी सेवाएँ प्रदान करने से पहले या समाशोधन और निपटान के लिए किन्हीं प्रतिभूतियों को स्वीकार करने से पहले बोर्ड का अनुमोदन मांगेगा।
<b>व्यापारों के निपटान की गारंटी के लिए निधि</b>		
39.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के संबंधित खंड (सेगमेंट) में निष्पादित व्यापारों के निपटान की गारंटी के लिए, प्रत्येक खंड के लिए, एक निधि, चाहे किसी भी नाम से पुकारी जाये, स्थापित करेगा और उसे बनाये रखेगा।
	(2)	विद्यमान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की निपटान गारंटी निधि या व्यापार गारंटी निधि उस मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को अंतरित की जायेगी, जिसको स्टॉक एक्सचेंज के समाशोधन और निपटान कृत्य अंतरित किये जाते हैं।
	(3)	निधि को उपविनियम (2) के अधीन अंतरित किये जाने के समय तक, इसका उपयोग केवल निपटान बाध्यताओं को पूरा करने के प्रयोजनों के लिए ही किया जायेगा, जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट हो और मान्यताप्राप्त

		स्टॉक एक्सचेंज की उप-विधियों के अनुसार ।
	(4)	विद्यमान समाशोधन निगम अपनी निपटान गारंटी निधि या व्यापार गारंटी निधि का उपयोग इन विनियमों के अधीन अपनी मान्यता के पश्चात् जारी रखेगा ।
	(5)	उस दशा में जब समाशोधन सदस्य अपनी निपटान बाध्यताओं को पूरा करने में असफल हो जाये, तब निपटान को पूरा करने के लिए निधि का उपयोग किया जायेगा ।
	(6)	निधि का कार्पेस समाशोधन सदस्य (सदस्यों) की असफलता के कारण उद्भूत निपटान बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा ।
	(7)	निधि के कार्पेस की पर्याप्तता की परख, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रकार से, आवधिक स्ट्रैस टैस्ट के रूप में की जायेगी ।
	(8)	निधि का अंशदान और उपयोग बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार होगा ।
<b>लाभों और विनिधानों (निवेशों) का उपयोग</b>		
40.		मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों द्वारा लाभों और विनिधानों (निवेशों) का उपयोग बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार होगा ।
<b>समान, निष्पक्ष और पारदर्शी पहुंच</b>		
41.	(1)	मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम यह सुनिश्चित करने के लिए एक पारदर्शी नीति का ढाँचा अधिकारित करेगा कि शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में और गैर-शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में व्यापारों के निपटान में समाशोधन और निपटान सेवाएँ देते समय कोई

		भेदभाव न हो ।
	(2)	मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज सभी व्यक्तियों के लिए समान, निर्बाध, पारदर्शी और निष्पक्ष पहुंच को सुनिश्चित करेगा, अपने सहयुक्तों तथा संबद्ध एंटिटियों के प्रति कोई पक्षपात किये बिना ।
	(3)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम उन क्रियाकलापों में नहीं लगेगा जो, यथास्थिति, स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के रूप में इसके क्रियाकलाप से असंबद्ध हों या आनुषंगिक न हों, सिवाय पृथक् विधिक एंटिटी के माध्यम से और जैसा बोर्ड द्वारा अनुज्ञात हो ।
<b>लेखा बहियों और अभिलेखों का रखा जाना</b>		
42.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज नियमों के नियम 14 के अनुसार लेखा बहियाँ तथा अभिलेख रखेगा और उन्हें परिरक्षित रखेगा ।
	(2)	तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन, प्रत्येक मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम न्यूनतम दस वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित लेखा बहियाँ और दस्तावेज रखेगा और परिरक्षित रखेगा, अर्थात् :-
	(क)	निम्नलिखित की बैठकों की कायेवृत्त पुस्तक :
	(i)	शासी बोर्ड की ;
	(ii)	शासी बोर्ड की किन्हीं समितियों की ;
	(ख)	समाशोधन सदस्यों का रिकार्ड जो उनके पूरे नाम, पते और निपटान प्रयोजनों के लिए बैंक तथा निषेपागार खातों के ब्यौरे दर्शाता हो ;
	(ग)	संव्यवहार अभिलेख (रिकार्ड) ;

	(घ)	प्रतिभूति निक्षेपों (सिक्यूरिटी डिपॉजिट) का रिकार्ड ;
	(ङ)	मार्जिन जमा पुस्तक ;
	(च)	ग्राहक मार्जिन संग्रहण के ब्यौरे ;
	(छ)	खाते (लैजर) ;
	(ज)	रोजनामचे (जनेल) ;
	(झ)	रोकड़ बही ;
	(ञ)	बैंक खाता विवरण ;
	(ट)	ऐसी अन्य लेखा बहियाँ और दस्तावेज जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किये जायें ।
<b>वार्षिक वित्तीय विवरण और विवरणियाँ प्रस्तुत करना</b>		
43.	(1)	प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम नियमों के नियम 17 तथा 17क के अनुसार अपने वार्षिक वित्तीय विवरण और विवरणियाँ बोर्ड को देगा ।
	(2)	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की बाबत उप-विनियम (1) के अनुसार अभिलेख (रिकार्ड) बोर्ड को प्रत्येक वर्ष के सितम्बर महीने के तीसवें दिन 'त्रुक दिये जायेंगे ।
<b>स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगम की उप-विधियाँ, नियम आदि</b>		
44.	(1)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से, अधिनियम की धारा 9 और इन विनियमों के अनुसार संविदाओं और समाशोधन तथा निपटान के विनियमन के लिए उप-विधियाँ बना सकेगा ।
	(2)	किसी भी संगम ज्ञापन, संगम अनुच्छेद या गठन संबंधी किसी अन्य

		दस्तावेज, जहाँ तक कि वे अधिनियम की धारा 3 में या इन विनियमों तथा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के अधीन विनिर्दिष्ट विषयों से संबंधित हों, में संशोधन बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के सिवाय नहीं किया जायेगा।
--	--	---

## अध्याय VII

### प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता

<b>सूचीबद्धता</b>		
45.	(1)	प्रवृत्त लागू विधियों के उपबंधों के अध्यधीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर, स्वयं तथा इसके सहयुक्त स्टॉक एक्सचेंज से भिन्न, अपनी प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन कर सकेगा, यदि,-
	(क)	यह इन विनियमों के उपबंधों, विशिष्टतया जो स्वामित्व और शासन से संबंधित हों, का अनुपालन करने वाला हो;
	(ख)	इसने सूचीबद्धता के आवेदन की तारीख से ठीक पहले सतत् व्यापारिक प्रचालन के तीन वर्ष पूरे कर लिये हों, और
	(ग)	इसने बोर्ड का अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया हो।
	(2)	बोर्ड ऐसी शर्तें विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो यह प्रतिभूति बाजार के हित में ठीक समझे, जिनमें किसी व्यक्ति द्वारा धारित शेयरों के अंतरण संबंधी शर्तें सम्मिलित हैं।

		(3) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अपने सहयुक्तों की किन्हीं प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध नहीं करेगा।
		(4) मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की प्रतिभूतियाँ किसी स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध नहीं होंगी।
<b>गैरकाग़जी रूप देना</b>		
46.	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की प्रतिभूतियाँ गैरकाग़जी रूप में होंगी।	

### अध्याय VIII

#### विविध

		<b>जानकारी मंगाने की शक्ति</b>
47.	बोर्ड समय-समये पर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, या उनके शासी बोर्ड या उनके किसी शेयरधारक से कोई जानकारी, दस्तावेज या अभिलेख मंगा सकेगा।	
<b>निरीक्षण की शक्ति</b>		
48.	(1)	बोर्ड किसी भी समय किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, ऐसे एक्सचेंज या समाशोधन निगम के किसी सहयुक्त, ऐसे स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के किसी शेयरधारक या ऐसे शेयरधारक के किसी सहयुक्त तथा एजेंट का निरीक्षण कर सकेगा, की जाँचें और लेखापरीक्षा संचालित कर सकेगा।

		(2) जहाँ उप-विनियम (1) के अधीन निरीक्षण बोर्ड द्वारा किया जाता है, वहाँ ऐसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम या शेयरधारक या सहयुक्त और ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, शेयरधारक या सहयुक्त का प्रत्येक प्रबंधक, निदेशक, प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष या अधिकारी और अन्य कर्मचारी बोर्ड के साथ सहयोग करेगा।
<b>बोर्ड द्वारा निदेश</b>		
49.		अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 और उनके अधीन बनाये गये नियमों तथा विनियमों के उपबंधों के अधीन अपनी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, या तो स्वप्रेरणा से, या किसी जानकारी के प्राप्त होने पर या किसी निरीक्षण, जाँच या अन्वेषण के लंबित रहने के दौरान या उसके पूरा हो जाने पर, जनता या व्यापार या विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) या प्रतिभूति बाजार के हित में, ऐसे निदेश जारी कर सकेगा जैसा यह ठीक समझे, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं किन्तु निम्नलिखित में से किसी या सभी तक ही सीमित नहीं हैं :-
	(क)	इन विनियमों के उल्लंघन में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में इक्विटी शेयर या इक्विटी शेयरों पर अधिकार धारण करने वाले व्यक्ति को उसकी धारिता निर्निहित करने का निदेश देना, ऐसी रीति में जो निदेश में विनिर्दिष्ट की जाये ;
	(ख)	मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण निधि या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की निपटान गारंटी निधि में किन्हीं आगमों या प्रतिभूतियों के अंतरण का निदेश देना ;
	(ग)	किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम, ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के किसी शेयरधारक, ऐसे शेयरधारक के किसी सहयुक्त तथा एजेंट, या ऐसे शेयरधारक से शेयरों के किसी अंतरिती, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिक को प्रतिभूति बाजार में पहुंच रखने या प्रतिभूतियों में

		व्योहार (लेनदेन) करने से ऐसी अवधि के लिए विवरित करना जो बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये।
<b>कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति</b>		
50.		इन विनियमों के उपबंधों के निर्वचन या लागू होने में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड को मार्गदर्शन टिप्पणी या परिपत्रों के माध्यम से निदेश जारी करने की शक्ति होगी।
<b>प्रक्रियाओं आदि को विनिर्दिष्ट करने और स्पष्टीकरण जारी करने की शक्ति</b>		
51.		इन विनियमों और उनसे आनुषंगिक विषयों के कार्यान्वयन के प्रयोजनों के लिए, बोर्ड, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के लिए परिपत्रों के रूप में, मानदण्ड, प्रक्रियाएँ, रीतियाँ या मार्गदर्शक सिद्धांत विनिर्दिष्ट कर सकेगा जैसा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट है।
<b>निरसन और व्यावृत्तियाँ</b>		
52.	(1)	इन विनियमों के प्रारंभ से ही, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सार्वजनिक शेयरधारण को बढ़ाने और बनाए रखने की रीति) विनियम, 2006 निरसित हो जायेगे।
	(2)	ऐसा निरसन होने पर भी, इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व निरसित विनियमों के अधीन की गई किसी बात या की गई किसी कार्रवाई या किये जाने के लिए तात्पर्यित या अनुध्यात किसी कार्रवाई के बारे में यह समझा जायेगा कि वे इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गई हैं या प्रारंभ की गई हैं या अनुध्यात हैं।

	(3)	उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट विनियमों के निरसन के पश्चात्, किसी विनियम, बोर्ड द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांत, परिपत्र या निदेश में उसके प्रति किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जायेगा कि वह इन विनियमों के सुसंगत उपबंधों के प्रति कोई संदर्भ है।
--	-----	--

## अनुसूची – I

### प्ररूप

#### प्ररूप क

(विनियम 4 और 12 देखें)

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 के विनियम 4 / विनियम 12 के अधीन समाशोधन निगम की मान्यता / मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन

#### प्रति

विषय :- प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 के विनियम 4 / विनियम 12 के अधीन समाशोधन निगम की मान्यता या मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन।

#### महोदय,

1. हम / मैं .....(समाशोधन निगम का नाम और पता) की ओर से समाशोधन निगम होने के नाते एतदद्वारा प्रतिभूतियों में संविदाओं के समाशोधन और निपटान की बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ मान्यता / मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन करते हैं / करता हूँ।

2. समाशोधन निगम के गठन और प्रबंधन से साधारणतया संबंधित नियमों, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद की दो प्रतियाँ तथा प्रतिभूतियों में संविदाओं के समाशोधन और निष्टान संबंधी उप-विधियों की दो प्रतियाँ संलग्न हैं।
3. इस प्रूफ के संलग्नक में अपेक्षित समर्त आवश्यक जानकारी संलग्न है। कोई अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत कर दी जायेगी जब कभी बोर्ड द्वारा मांगी जाये।
4. हम / मैं, उक्त समाशोधन निगम की ओर से, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की अपेक्षाओं का तथा ऐसी अन्य शर्तों और निबंधनों जो मान्यता के प्रमाणपत्र में अंतर्विष्ट की जायें या तत्पश्चात् उपबंधित या अधिरोपित की जायें का अनुप्रालन करने का वचन देते हैं। देता हूँ।
5. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 के विनियम 5 / विनियम 12 में यथा विनिर्दिष्ट फीस के भुगतान हेतु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पक्ष में लिखा गया ₹ ..... का मांगदेय ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) सं ..... तारीख ..... संलग्न है।

भवदीय,

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

## प्ररूप 'क' का संलग्नक

### भाग I – सामान्य

1. आवेदक समाशोधन निगम का नाम
2. पता
3. समाशोधन निगम की स्थापना या निगमन की तारीख ।
4. क्या आपका समाशोधन निगम कंपनी अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत संयुक्त स्टॉक कंपनी (उल्लेख करें कि सार्वजनिक है या निजी) है ।
5. आपकी पूँजी संरचना के ब्यौरे दें और समाशोधन निगम के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लेखापरीक्षित तुलनपत्रों तथा लाभ और हानि लेखों की तीन प्रतियाँ संलग्न करें ।
6. समाशोधन निगम के शेयरधारिता पैटर्न के ब्यौरे दें ।
7. क्या आपकी कारबार व्यवहार्यता योजना का अंकन इसकी व्यवहार्यता के लिए प्रतिभूति बाजार में विशेषज्ञता रखने वाली किसी खातिग्राप्त एंजेंसी द्वारा कर लिया गया है ? अंकन रिपोर्ट की प्रति दें ।
8. क्या आपने मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) के साथ इसके व्यापारों का समाशोधन और निपटान करने हेतु करार कर लिया है ? ऐसे स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) का नाम तथा इसके संगठन और प्रबंधन के ब्यौरे दें ।

### भाग II - समाशोधन निगम की समाशोधन सदस्यता

9. आवेदन के समय समाशोधन सदस्यों की संख्या का उल्लेख करें । यह भी विनिर्दिष्ट करें कि कितने निष्क्रिय हैं ।
10. उल्लेख करें कि क्या समाशोधन सदस्यों की संख्या सीमित करने के लिए कोई उपबंध, संकल्प या कन्वेंशन है और यह कि क्या उसके अनुसरण में आपने समाशोधन सदस्यों की अधिकतम सीमा नियत की है जो आप स्वीकार करेंगे ।
11. क्या आप नये समाशोधन सदस्यों को प्रविष्ट करने से पूर्व न्यूनतम अर्हता और अनुभव पर जोर देते हैं ? यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें ।
12. समाशोधन सदस्यों के विभिन्न वर्गों, यदि कोई हों, उनकी संख्या, और प्रत्येक वर्ग द्वारा उपभोग किये गये विशेषाधिकारों का उल्लेख करें । विभिन्न वर्गों के नये समाशोधन सदस्यों को स्वीकार किये जाने के लिए आपके समाशोधन निगम द्वारा किस प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ।
13. समाशोधन सदस्यों के विभिन्न वर्गों की बाबत आपके वार्षिक अभिदान की दरें क्या हैं ?
14. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों से कोई प्रतिभूति निष्केप (सिक्यूरिटी डिपॉजिट) एकत्र करते हैं ? यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें और उस रीति का जिसमें

ऐसे निष्केपों का उपयोग होता है और अनुज्ञात व्याज दर, यदि कोई हो, का नीचे उल्लेख करें ।

15. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों से कोई रखीकृति संबंधी या प्रवेश फीस एकत्र करते हैं ? यदि ऐसा है, तो कितनी ?
16. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों को अन्य क्रियाकलापों से या तो मालिक (प्रिसिपल) के रूप में या कर्मचारी के रूप में अपने-आप को निर्निहित लरने पर जोर देते हैं ?
17. आपके समाशोधन निगम द्वारा विनिर्दिष्ट दलाली और अन्य प्रभारों, यदि कोई हों, के मापमान के ब्यौरे दें ।
18. क्या आप अपने समाशोधन सदस्य की सेवाएँ लेने के लिए व्यापारिक सदस्य के साथ किये जाने वाले करार का मानक प्ररूप विहित करते हैं ? ऐसे करार की दो प्रतियाँ संलग्न करें ।
19. आपके समाशोधन सदस्यों द्वारा विज्ञापन दिये जाने या परिपत्र जारी किये जाने को विनियमित करने या प्रतिषिद्ध करने के लिए आपके द्वारा क्या उपाय अपनाये जाते हैं ?
20. क्या आप समाशोधन सदस्यों से ऐसी जानकारी या स्पष्टीकरण देने की ओर उनके कारबार से संबंधित ऐसी बहियों को पेश करने की अपेक्षा करते हैं जैसी आपका शासी बोर्ड अपेक्षा करे ?
21. क्या आप अपने समाशोधन सदस्यों का आवधिक निरीक्षण करते हैं ? ब्यौरे दें, जिनमें वार्षिक निरीक्षणों की संख्या और निरीक्षण करने हेतु उपलब्ध जनशक्ति समिलित हो ।

### भाग III – शासी बोर्ड

22. आपके शासी बोर्ड की वर्तमान सदस्य-संख्या कितनी है ? शासी बोर्ड के गठन, प्रबंधन की शक्तियों, सदस्यों के निर्वाचन तथा पदावधि और उस रीति के ब्यौरे दें जिसमें इसका कारबार किया जाता है ।
23. क्या आपके शासी बोर्ड में किसी व्यापारिक या वाणिज्यिक हित का प्रतिनिधित्व होता है ? यदि ऐसा है, तो ऐसे हितों के ब्यौरे दें ।
24. क्या आप अपने समाशोधन निगम के प्रबंधन के साथ निवेशक संघों के सदस्यों को सहयुक्त करते हैं ? यदि ऐसा है, तो उस रीति का उल्लेख करें जिसमें ऐसा किया जाता है ।
25. क्या आपके शासी बोर्ड में सरकार या बोर्ड के कोई प्रतिनिधि हैं ? यदि ऐसा है, तो उनके नाम दें ।
26. आपके शासी बोर्ड में कितने लोक हित निवेशक हैं ? उनके नाम, अहंता और अनुभव का उल्लेख करें ।

27. क्या आपके नियमों के अंतर्गत शासी बोर्ड की सलाहकार समिति में समाशोधन सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन का उपबंध है ? यदि ऐसा है, तो इसके गठन, कार्यकाल, शक्तियों और कृत्यों के ब्यौरे दें ।

28. क्या आपके यहाँ शासी बोर्ड की स्थायी या तदर्थ समितियों की नियुक्ति की कोई व्यवस्था (उपबंध) है ? यदि ऐसा है, तो उनकी संरचना, नियुक्ति, पदावधि, शक्तियों और कृत्यों के ब्यौरे दें ।

29. अपने समाशोधन निगम के मुख्य प्रबंध कार्मिकों के पदनामों, शक्तियों और कर्तव्यों का उल्लेख करें । उनकी नियुक्ति की रीति, पदावधि और पारिश्रमिक के ब्यौरे दें ।

30. शासी बोर्ड के पास समाशोधन सदस्यों द्वारा समाशोधन निगम के नियमों तथा उपविधियों की सम्यक् अनुपालना कराने और साधारणतया कारबार संचालन के समुचित स्तर को सुनिश्चित करने के लिए क्या अनुशासनिक शक्ति हैं ?

31. फीस, जुर्माना और शारितयों के लगाये जाने और उनकी वसूली के लिए आपने क्या व्यवस्थाएँ की (उपबंध किये) हैं ?

#### भाग IV. समाशोधन एवं निपटान

32. समाशोधन निगम की समाशोधन और निपटान प्रणाली का वर्णन करें ।

33. आपके समाशोधन निगम में समाशोधित होने वाले और निपटाये जाने वाले या समाशोधित किये जाने तथा निपटाये जाने के लिए प्रस्तावित विभिन्न प्रकार के उत्पादों (उदाहरणार्थ, इकिटी, इकिटी व्युत्पन्नी, मुद्रा व्युत्पन्नी, ब्याज दर व्युत्पन्नी, ऋण लिखत, इत्यादि) का उल्लेख करें । प्रत्येक मामले में सुपुर्दगी की अवधि, भुगतान और निपटान व्यवस्था का उल्लेख करें ।

34. ऐसी कौन-री शर्तें हैं जिनके अध्यधीन व्यापारों का निपटान और समाशोधन आपके समाशोधन निगम में किया जाता है ?

35. समाशोधन और निपटान के लिए व्युत्पन्नी संव्यवहारों की स्वीकृति के लिए आपकी क्या अपेक्षाएँ हैं ?

36. क्या आपको समाशोधन और निपटान के लिए स्वीकृत व्यौहारों (लेनदेनों) के समाशोधन और निपटान को प्रतिषिद्ध करने, वापस लेने या निलंबित करने का अधिकार है ? यदि ऐसा है, तो किन परिस्थितियों के अंतर्गत इस अधिकार का प्रयोग किया जाता है ?

37. आपके समाशोधन द्वारा लगाये गये समाशोधन और निपटान प्रभारों तथा अन्य प्रभारों, यदि कोई हो, के ब्यौरे दें ।

38. आपने संविदाओं के आवधिक निपटान और उसके अधीन अंतरों, प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी, और उनके लिए भुगतान तथा सुपुर्दगी आदेशों को पारित करने के लिए क्या उपबंध किये हैं ?

39. आप निपटान की तारीखों को कैसे नियत, परिवर्तित या स्थगित करते हैं ?

40. क्या आप बाजार हेराफेरी, विशेषकर व्युत्पन्नी बाजारों में शेयरों की कागजी तौर पर सुपुद्देगी के मामले में और निपटान में आषातिक रिथति के लिए कोई रक्षोपाय उपलब्ध कराते हैं ? ब्यौरे दें ।

41. समाशोधन निगम द्वारा जिभ विभिन्न जोखिमों का सम्मान किया जा रहा है उन्हें दूर करने के लिए, "प्रिसिपल्स फॉर फाइनेशियल मार्केट इनकार्ट्रक्वर्स" संबंधी बीआईएस-आयस्को के पेपर के अनुसार, अपनाये गये उपायों का विस्तृत आकलन उपलब्ध करायें ।

42. क्या आप समाशोधन निगम में हुए कारबार से संबंधित ऑकड़ों, जिनमें निपटान गारंटी निधि का मूल्य और समाशोधन निगम के माध्यम से निपटाये गये संव्यवहार सम्मिलित हैं, को प्रकाशित करते हैं, यदि रखे गये हों ? विशिष्टतया, क्या आपने समाशोधन निगम के सकल तथा शुद्ध एक्सपोजर की और अपने समाशोधन निगम में अनुज्ञात विभिन्न प्रकार की संविदाओं के समाशोधन और निपटान के मूल्य की गणना करने के लिए कोई तंत्र विकसित किया है ? ब्यौरे दें ।

43. (क) क्या आपकी ऐसी कोई उप-विधियाँ हैं, जिनका उल्लंघन संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) को शून्य कर देता है ?  
 (ख) क्या आपके पास बाजार सुरक्षा और सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अवसंरचना, मार्जिन प्रणाली और पर्याप्त जोखिम प्रबंधन व्यवस्था है ? ब्यौरे दें ।  
 (ग) क्या आप समाशोधन और निपटान से भिन्न कोई अन्य क्रियाकलाप करते हैं ? ब्यौरे दें ।  
 (घ) आपकी शुद्ध-मालियत कितनी है ? ब्यौरे दें ।  
 (ङ) कामकाज के समय के ब्यौरे दें ?  
 (च) ऐसी कौन-सी शर्तें हैं जिनके अध्यधीन बौहार (लेनदेन) समाशोधन और निपटान के लिए रखीकार किया जाता है ?

44. क्या आप निपटान गारंटी निधि रखते हैं ? निपटान गारंटी निधि के कार्पस, इसके अंशदान, उपयोग की परिस्थितियों, उपयोग की प्राथमिकता, इत्यादि के ब्यौरे दें ।

45. आप निपटान गारंटी निधि की पर्याप्तता कैसे सुनिश्चित करते हैं ? क्या आप आदर्शक आधार पर स्ट्रैस टैस्ट करते हैं ? सबसे अंत में किये गये स्ट्रैस टैस्ट के ब्यौरों और परिणामों का उल्लेख करें ।

46. समाशोधन सदस्य की बाध्यताओं के अवधारण हेतु समाशोधन निगम द्वारा अपनायी गयी नैटिंग प्रक्रिया क्या है ?

47. शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज और गैर-शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंज के व्यापारों के निपटान के संबंध में आपकी क्या नीति है ?

48. क्या कारबार की मात्रा और किसी अकेले समाशोधन सदस्य द्वारा लिये गये एक्सपोजर, जो मार्जिनों की प्रणाली के माध्यम से न हों को विनियमित करने के लिए आपकी कोई व्यवस्थाएँ (उपबंध) हैं, यदि ऐसा है, तो ब्यौरे दें ।

49. (क) संविदाएँ करने, उनके पालन और विखंडन ; (ख) व्यापारिक या समाशोधन सदस्यों की ओर से, चाहे क्रेताओं, विक्रेताओं या मध्यवर्तियों के रूप में कार्यरत हों, भंग, चूक या दिवालियेपन की परिस्थितियों, को विनियमित करने के लिए आपने क्या व्यवस्थाएँ (उपबंध) की हैं :

### भाग V - अवसंरचना

50. क्या आपके यहाँ समाशोधन सदस्यों के बीच और / या समाशोधन सदस्यों तथा उनके घटकों तथा व्यापारिक सदस्य तथा समाशोधन सदस्य के बीच विवादों के माध्यस्थम् के लिए कोई तंत्र है ? ब्यौरे दें ।

51. क्या आपने निषेपागारों, समाशोधन बैंकों, स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन सदस्यों के साथ संयोजकता स्थापित की है ? ब्यौरे दें ।

52. वह औसत भार कितना है जो आपकी प्रणालियों द्वारा संभाला जा रहा है ? रद्दैस के समय अधिकतम कितना लोड संभाला जा सकता है और प्रणालियों की मापनीयता कितनी होती है ?

53. आपकी कारबार सतत योजना क्या है ? ब्यौरे दें, जिनमें संकट निवारण साइट के ब्यौरे सम्मिलित हैं ।

54. आपके मुख्य प्रबंध कार्मिकों के नाम, अहताएँ और अनुभव क्या हैं ?

### प्रस्तुप ख

(विनियम 9 और 12 देखें)

### भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

सं ..... भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड,  
..... (समाशोधन निगम का नाम और पता) द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियम) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 के विनियम 4 / विनियम 12 के अधीन मान्यता / मान्यता का नवीकरण प्रदान करने के आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा, प्रतिभूति बाजार के हित में होगा और ऐसा करना लोक हित में भी होगा, एतद्द्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 8क की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त समाशोधन निगम को मान्यता 20 ..... को समाप्त होने वाले ..... वर्ष / वर्षों के लिए इसमें नीचे कथित शर्तों अथवा जो इसके पश्चात् विहित या अधिरोपित की जायें के अध्यधीन प्रदान करता है ।

बोर्ड की मुहर

तारीख:

स्थान: मुंबई

अधिकारी के हस्ताक्षर

अनुसूची - II

**भाग - क**  
**[ विनियम 26(1) देखें ]**

**शासी बोर्ड में निदेशकों के लिए आचार संहिता****i. बैठकें एवं कार्यवृत्त**

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक :

- क) किसी ऐसी विषय-वस्तु संबंधी चर्चा में भाग नहीं लेगा, जिसमें कोई हित विरोध विद्यमान हो या उत्पन्न होता हो, चाहे धन-संबंधी हो या अन्यथा, और ऐसे मामलों में उसे बैठक के कार्यवृत्त में प्रकट किया जायेगा और अभिलिखित किया जायेगा;
- ख) बैठक के दौरान कार्यसूची के कागजों के परिचालन को प्रोत्साहित नहीं करेगा, जब तक कि परिस्थितियाँ ऐसी अपेक्षा न करें;
- ग) प्रारूप कार्यवृत्त पर अपनी टिप्पणियाँ पेश करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें अंतिम कार्यवृत्त में सम्मिलित कर लिया गया है;
- घ) पिछली बैठक के कार्यवृत्त को बाद वाली बैठक में अनुमोदन हेतु रखे जाने पर जोर देगा;
- ङ) शासी बोर्ड की प्रत्येक बैठक में अगली बैठक की तारीख तय करने का प्रयास करेगा, शासी बोर्ड के अन्य सदस्यों के परामर्श से;
- च) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि यदि बैठक की कार्यसूची की समस्त मर्दे समय के अभाव में शामिल न की गयी हों, तो शेष मर्दों पर विचार करने के लिए अगली बैठक पंद्रह दिनों के भीतर आयोजित हो जाये।

**ii. लोक हित निदेशकों के लिए आचार संहिता**

- क) उपरोक्त पैरा (i) में उल्लिखित शर्तों के अतिरिक्त, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के लोक हित निदेशक शासी बोर्ड की सभी बैठकों में उपस्थित रहने का प्रयास करेंगे और यदि वे शासी बोर्ड की लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं या वे एक कलैंडर वर्ष में शासी बोर्ड की कुल बैठकों में से पचहत्तर प्रतिशत बैठकों में उपस्थित नहीं रहते हैं, तो वे पद रिक्त करने के दायी होंगे।
- ख) लोक हित निदेशक, कम से कम छह महीनों में एक बार, नाजुक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए अलग से बैठकें करेंगे।

### **iii. युक्तिपूर्ण योजना**

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक :

- क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के सर्वोत्तम हित में युक्तियाँ बनाने और उनके निष्पादन में भाग लेगा तथा शासी बोर्ड के रत्तर पर अग्र-सक्रिय रूप से विनिश्चय (फैसले) किये जाने में योगदान देगा ;
- ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को अपने अनुभव और विशेषज्ञता का फायदा पहुँचायेगा और युक्तिपूर्ण योजना तथा विनिश्चयों (फैसलों) को निष्पादित करने में सहायता देगा ।

### **iv. विनियामक अनुपालन**

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक :

- क) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, उनके अधीन बनाये गये नियमों तथा विनियमों के समर्त उपबंधों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों, निदेशों का पालन करता है ;
- ख) सभी स्तरों पर अनुपालन का प्रयास करेगा ताकि विनियामक प्रणाली में कोई भंग न हो ;
- ग) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि सुधारात्मक कार्रवाई हेतु मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम बोर्ड द्वारा नियत समय-सीमा का पालन करने के लिए अनुरूप कदम उठाये ;
- घ) शासी बोर्ड की बैठक में किसी ऐसे विनिश्चय (निर्णय) का समर्थन नहीं करेगा जो विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता हो और किसी ऐसे विनिश्चय की रिपोर्ट तुरंत बोर्ड को देगा ।

### **v. साधारण उत्तरदायित्व**

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम का प्रत्येक निदेशक :

- क) विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की शिकायतें दूर करने को प्राथमिकता देगा और ऋजु व्यापारिक व्यवहार को प्रोत्साहित करेगा ताकि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम प्रतिभूति बाजार की वृद्धि का साधक बन सके ;

ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के मुद्दों का व्यावसायिक सक्षमता, औचित्य, निष्पक्षता, दक्षता और प्रभावकारिता के साथ विश्लेषण करने और प्रशासन चलाने का प्रयास करेगा ;

ग) प्रतिभूतियों में धारिताओं / व्यौहारों (लेनदेनों) के आवश्यक प्रकटीकरण / विवरण प्रस्तुत करेगा, जैसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा उनके नियमों या संगम अनुच्छेद के अनुसार समय-समय पर अपेक्षित हो ;

घ) जब तक कि विधि द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो, गोपनीयता बनाये रखेगा और अपने कर्तव्य के निर्वहन में अभिप्राप्त किसी जानकारी को प्रकट नहीं करेगा और ऐसी किसी भी जानकारी का उपयोग निजी अभिलाभ के लिए नहीं किया जायेगा ;

ङ) जनता के विश्वास को प्रेरित करने के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में वैयक्तिक सत्यनिष्ठा, सत्यता, ईमानदारी और साहस के उच्चतम मानक बनाये रखेगा और ऐसे कार्यों में नहीं लगेगा जो उनकी जिम्मेदारियों के प्रति अविश्वासजनक हों ;

च) स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रकार से अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और ऐसे क्रियाकलापों से बचेगा जो उनकी स्वतंत्रता या निष्पक्षता या पदीय कर्तव्यों को हारित कर सकते हों, या हासित करते हुए प्रतीत हो सकते हों ;

छ) सकारात्मक रूख के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और रचनात्मक रूप से निर्बाध संप्रेषण, रृजनात्मकता, समर्पण और दयाभाव का समर्थन करेगा ;

ज) ऐसे किसी कृत्य में जिसमें नैतिक अधमता, बेईमानी, कपट या दुर्व्यपदेशन अंतर्वलित हो अथवा ऐसे किसी अन्य कृत्य में नहीं लगेगा जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के प्रतिकूल हो ।

## भाग - ख

[ विनियम 26(2) देखें ]

### स्टॉक एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों के निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिकों हेतु सदाचार संहिता

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों के निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिकों हेतु "सदाचार संहिता", का उद्देश्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगमों की कार्यप्रणाली में वृत्तिक और सदाचार मानकों में सुधार करना है, जिससे बाजार की सत्यनिष्ठा में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का विश्वास और बढ़ सके।

#### i. उद्देश्य और आधारभूत (अंडरलाइंग) सिद्धांत

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिकों हेतु सदाचार संहिता कारबार / व्यावसायिक सदाचार के न्यूनतम स्तर नियत करने के लिए है, जिनका अनुसरण इन निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिकों द्वारा किया जाना है, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी बाजार रथापित हो सके। सदाचार संहिता निम्नलिखित मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है :

- स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से संबंधित विषयों की बाबत औचित्य और पारदर्शिता।
- विनियामक एजेंसियों / मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज / मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा अधिकथित समस्त विधियों / नियमों / विनियमों का अनुपालन।
- कर्तव्यों के पालन में सम्यक् तत्परता बरतना।
- निदेशकों / मुख्य प्रबंध कार्मिकों के व्यक्तिगत हित और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम तथा विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हितों के बीच हित विरोध से बचना।

#### ii. सदाचार समिति

इस संहिता के कार्यान्वयन की अन्येका के लिए, प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा अपने-अपने शासी बोर्ड के अधीन सदाचार समिति गठित की जायेगी।

### iii. साधारण मानक

क) निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक सदाचार संबंधी जिम्मेदारियों की जानकारी और समझ को और बढ़ाने का प्रयास करेंगे ।

ख) निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक, अपने कारबार संचालन में उच्च स्तरीय वाणिज्यिक मान और व्यापार के न्यायसंगत तथा साम्यापूर्ण सिद्धांतों का पालन करेंगे ।

ग) कारबार जीवन में निदेशकों और मुख्य प्रबंध कार्मिकों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अन्य सदस्यों के लिए एक स्तर नियत करेगा ।

घ) निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के कार्यपालक या प्रशासनिक रटाफ, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के प्रौद्योगिकी या सेवा प्रदाताओं तथा विक्रेताओं, या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किसी कंपनी पर अनुग्रह करने । से अनुग्रह पाने के लिए अपने पद का उपयोग नहीं करेंगे ।

ङ) निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक कोई ऐसा कृत्य नहीं करेंगे जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की ख्याति को संकट में डाल दे ।

च) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशक, समिति सदस्य और मुख्य प्रबंध कार्मिक प्रतिभूति बाजार पर लागू समर्त नियमों और विनियमों का अनुपालन करेंगे ।

### iv. स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के मुख्य प्रबंध कार्मिकों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले व्यौहारों (लेनदेनों) का प्रकटीकरण

क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के मुख्य प्रबंध कार्मिक आवधिक आधार पर, जैसा स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम द्वारा अवधारित किया जाये (जो मासिक भी हो सकता है), प्रतिभूतियों में होने वाले उनके समर्त व्यौहारों (लेनदेनों) को, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, शासी बोर्ड / सदाचार समिति / अनुपालन अधिकारी को प्रकट करेंगे ।

ख) प्रतिभूतियों में होने वाले व्यौहार (लेनदेन) प्रतिभूतियों के व्यापारिक निर्बंधनों के अध्यधीन भी होंगे जिनके बारे में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के मुख्य प्रबंध कार्मिक के पास असार्वजनिक कीमत संवेदनशील जानकारी हो सकती है । इस संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 में अधिकथित अपेक्षा का संदर्भ लिया जा सकता है ।

ग) समर्त संव्यवहार विनिधान (निवेश) स्वरूप के अवश्य होने चाहिए, न कि सदृष्टबाजी वाले । इसके प्रति, खरीदी गयी समर्त प्रतिभूतियाँ बेचे जाने से

पहले न्यूनतम साठ दिनों की अवधि के लिए अवश्य धारण की जानी चाहिए। तथापि, विनिर्दिष्ट / असाधारण परिस्थितियों में, किसी भी समय, इस शर्त के अधित्यजन के संबंध में अनुपालन अधिकारी से पूर्व-अनापसि अभिप्राप्त करके इस संबंध में उनकी तुष्टि को लिखित रूप में अभिलिखित किये जाने के पश्चात्, विक्रय किया जा सकता है।

**स्पष्टीकरण :** इस संहिता के प्रयोजनार्थ "प्रतिभूतियों" के अंतर्गत पारस्परिक निधि की यूनिटें सम्मिलित नहीं होंगी।

v. **स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम के निदेशकों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले व्यौहारों (लेनदेनों) का प्रकटीकरण**

क) निदेशकों और उनके परिवार द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले समस्त सेवावाहार मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड को प्रकट किये जायेंगे।

ख) सभी निदेशक फर्मों / कॉरपोरेट एंटिटियों, जिनमें वे बीस प्रतिशत या उससे अधिक फायदाप्रद हित धारण करते हैं या नियंत्रक हित धारण करते हैं, द्वारा किया गया व्यापार भी सदाचार समिति को प्रकट करेंगे।

ग) उन निदेशकों को इस अपेक्षा से छूट होगी, जो भारत सरकार के नामनिर्देशिती अथवा भारत सरकार के कानूनी निकायों या वित्तीय संस्थाओं के नामनिर्देशिती हैं और अपनी स्वयं की संहिताओं द्वारा विनियमित हैं।

vi. **हित विरोध से बचना**

क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के शासी बोर्ड का कोई भी निदेशक या की किसी समिति का कोई भी सदस्य किसी व्यक्ति / मामले के संबंध में कोई विनिश्चय (फैसला) किये जाने / किसी न्यायनिर्णयन में भाग नहीं लेगा जिसमें वह किसी भी तरह से, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, संबद्ध या हितबद्ध हो।

ख) किसी मामले में कोई हित विरोध है या नहीं, इसका विनिश्चय शासी बोर्ड द्वारा किया जाना चाहिए।

vii. **फायदाप्रद हित का प्रकटीकरण**

सभी निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक शासी बोर्ड को प्रकट करेंगे, पद ग्रहण करने पर और पदावधि के दौरान, जब कभी निम्नलिखित उद्भूत हों :-

क) किसी व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य में स्वयं तथा परिवार के सदस्यों और स्वयं तथा परिवार के सदस्यों के निदेशक पद / की भागीदारी का कोई वैश्वासिक संबंध।

ख) शेयरधारिता, उन मामलों में जहाँ निदेशक की शेयरधारिता, प्रत्यक्षतः या उसके परिवार के माध्यम से किसी सूचीबद्ध कंपनी में या प्रतिभूति बाजारों से संबंधित अन्य एंटिटियों में 5 प्रतिशत से अधिक हो जाती हो ।  
ग) कोई अन्य कारबार हित ।

viii. **स्टॉक एक्सचेंज या समाशोधन निगम की दैनंदिन कार्यप्रणाली में अध्यक्ष और निदेशकों की भूमिका**

क) अध्यक्ष और निदेशक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की दैनंदिन कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और अपनी भूमिका को नीतिगत मुद्दों और उन मुद्दों के संबंध में विनिश्चय करने (फैसले लेने) तक सीमित रखेंगे, जो शासी बोर्ड विनिश्चित करे ।

ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के कर्मचारियों के दैनंदिन क्रियाकलापों के संबंध में अध्यक्ष और निदेशक ऐसे कर्मचारियों पर अपना प्रभाव डालने से स्वयं को अलग रखेंगे ।

ग) अध्यक्ष और निदेशक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति के कृत्य में प्रत्यक्षतः अंतर्वलित नहीं होंगे, जब तक कि शासी बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से ऐसा विनिश्चय न किया जाये ।

ix. **जानकारी तक पहुँच**

क) निदेशक के वल विनिर्दिष्ट समितियों के भागस्वरूप ही जानकारी मंगायेगा या जैसा शासी बोर्ड द्वारा प्रांधिकृत किया जाये ।

ख) ऐसी विहित प्रणालियाँ होंगी जिनके माध्यम से जानकारी जायेगी और इसके अतिरिक्त उसका ऑडिट-ट्रेल होगा । गोपनीय दस्तावेजों / जानकारी की किसी पुनः प्राप्ति को समुचित रूप से अभिलिखित किया जायेगा ।

ग) ऐसी समस्त जानकारी, विशेषतया जो असार्वजनिक और कीमत संवेदनशील हो, गोपनीय रखी जायेगी और इसका उपयोग किसी निजी प्रतिफल / अभिलाभ के लिए नहीं किया जायेगा ।

घ) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के कारबार / प्रचालनों से संबंधित कोई जानकारी, जो निदेशकों / मुख्य प्रबंध कार्मिकों की जानकारी में, उनके कर्तव्यों के पालन के दौरान, आये, पूर्णतः गोपनीय रखी जायेगी, किसी पर व्यक्ति (थर्ड पार्टी) को प्रकट नहीं की जायेगी और उसका उपयोग उनके कर्तव्यों का पालन करने के सिवाय किसी भी प्रकार से नहीं किया जायेगा ।

x. पद का दुरुपयोग

निदेशक / समिति के सदस्य, स्वयं अपने लिए या परिवार के सदस्यों के लिए संगठन में कारबार या कोई धन-संबंधी फायदा अभिप्राप्त करने के लिए अपने पद का उपयोग नहीं करेंगे ।

xi. सदाचार समिति द्वारा प्रक्रियाएँ अधिकथित करना

क) सदाचार समिति संहिता के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रियाएँ अधिकथित करेगी और संहिता के अधीन अपेक्षित प्रकटीकरणों के लिए रिपोर्टिंग फार्मेट विहित करेगी ।

ख) अनुपालन अधिकारी सदाचार समिति द्वारा अधिकथित अपेक्षाओं का निष्पादन करेगा ।

यद्यपि इस संहिता का उद्देश्य बाजार सत्यनिष्ठा और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विश्वास के स्तर को बढ़ाना है, इस बात पर जोर दिया जाता है कि लिखित सदाचार संहिता सदाचार के उच्च मानकों के अनुसरण की पूर्ण गारंटी नहीं दे सकती है । इसकी पूर्ति केवल तभी हो सकती है जब मान्यताप्राप्त रिपोर्टिंग एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के निदेशक और मुख्य प्रबंध कार्मिक भाषा और भाव की दृष्टि से प्रणाली की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा को बढ़ाने के कार्य में स्वयं को प्रतिबद्ध कर दें ।

### भाग - ग

[ विनियम 28 देखें ]

### विनियामक विभागों के पृथक्करण सुनिश्चित करने हेतु उपाय

विनियामक विभागों के पृथक्करण को सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक मान्यताप्राप्त रिपोर्टिंग एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम "चाइनीज वॉल" की नीति अपनायेंगे जो मान्यताप्राप्त रिपोर्टिंग एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के विनियामक विभागों को अन्य विभागों से पृथक् करती हो । विनियामक विभागों के कर्मचारी विनियामक क्रियाकलाप से संबंधित कोई जानकारी अन्य विभागों में किसी दूसरे को संसूचित नहीं करेंगे । विनियामक क्षेत्रों के कर्मचारियों को अन्य विभागों के कर्मचारियों से वारस्तव में अलग-अलग रखा जा सकता है जिसमें पहुँच के नियंत्रण भी सम्मिलित हैं । असाधारण परिस्थितियों में अन्य विभागों के कर्मचारियों को गोपनीय जानकारी, "जानने की आवश्यकता" के आधार पर, अनुपालना अधिकारी को सूचित करते हुए, दी जा सकती है ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 20th June, 2012

**Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012**

**F. No. LAD-NRO/GN/2012-13/07/13546.**—In exercise of the powers conferred by Sections 4, 8A and 31 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, read with Sections 11 and 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations to regulate recognition, ownership and governance in stock exchanges and clearing corporations and matters connected therewith or incidental thereto, namely :—

**CHAPTER I  
PRELIMINARY**

**Short title and commencement.**

1. (1) These regulations may be called the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012.

(2) They shall come into force on the date of their notification in the Gazette of India.

**Definitions.**

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, the terms defined herein shall bear the meanings assigned to them below, and their cognate expressions shall be construed accordingly,—

(a) "Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(b) "associate" in relation to a person shall include another person:

- (i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with other persons, exercises control over the first person;
- (ii) who holds fifteen per cent. or more shares in the paid up equity capital of the first person;
- (iii) whose director or partner is also a director of the first person or its subsidiary or holding company, or partner of the first person, as the case may be;

- (iv) who is a holding company or a subsidiary company of the first person or a company under the same management as of the first person;
- (v) who is a relative of the first person;
- (vi) who is a member of a Hindu Undivided Family wherein the first person is also a member;

(c) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under the provisions of section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);

(d) "clearing corporation" means an entity that is established to undertake the activity of clearing and settlement of trades in securities or other instruments or products that are dealt with or traded on a recognized stock exchange and includes a clearing house;

(e) "clearing member" means a person having clearing and settlement rights in any recognised clearing corporation:

Provided that any person who, on the date of commencement of these regulations, is acting as clearing member of a clearing house or a clearing corporation shall be deemed to be clearing member, till his request for registration, if any, is refused by the Board or till cessation of his membership with clearing corporation, whichever is earlier;

(f) "company" shall mean a company as defined in section 3 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(g) "control" shall have the same meaning as assigned to it under clause (e) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any modification thereof;

(h) "governing board" means the board of directors of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation;

(i) "key management personnel" means a person serving as head of any department or in such senior executive position that stands higher in hierarchy to the head(s) of department(s) in the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation or in any other position as declared so by such stock exchange or clearing corporation;

(j) "netting" means the determination of net payment or delivery obligations among the clearing members of a recognised clearing corporation by setting off or adjustment of the *inter se* obligations or claims arising out of buying and selling of securities, discontinuation of business, dissolution, winding-up or insolvency or such other circumstances as may be specified in the bye-laws of the clearing corporation;

(k) "novation" means the act of a clearing corporation interposing itself between both parties of every trade, being the legal counterparty to both;

(l) "persons acting in concert" in the context of acquisition or holding of shares or voting rights or control shall *mutatis mutandis* have the same meaning as assigned to it in clause (q) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any modification thereof;

(m) "public" includes any member or section of the public but does not include any trading member or clearing member or their associates and agents:

Provided that a public sector bank, public financial institution, an insurance company, mutual fund and alternative investment fund in public sector, that has associate(s) as trading members or clearing members, shall be deemed as public for the purposes of these regulations;

(n) "public interest director" means an independent director, representing the interests of investors in securities market and who is not having any association, directly or indirectly, which in the opinion of the Board, is in conflict with his role;

(o) "recognised clearing corporation" means a clearing corporation which is recognised by the Board under section 4 read with section 8A of the Act;

(p) "regulatory department" means a department of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation which is entrusted with regulatory powers and duties and includes such department as may be specified by the Board;

(q) "rules" means the Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957;

(r) "shareholder director" means a director who represents the interest of shareholders, and elected or nominated by such shareholders who are not trading members or clearing members, as the case may be, or their associates and agents;

(s) "trading member" means a person having trading rights in any recognised stock exchange and includes a stock broker.

(2) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act, the Companies Act, 1956, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996 or any rules or regulations made thereunder shall have the same meanings respectively assigned to them in those Acts, rules or regulations made thereunder or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

## CHAPTER II RECOGNITION OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS

### **Obligation to seek recognition.**

3. No person shall conduct, organise or assist in organising any stock exchange or clearing corporation unless he has obtained recognition from the Board in accordance with the Act, rules and these regulations:

Provided that a stock exchange, which has been recognised under the Act as on the date of commencement of these regulations, shall be deemed to have been recognised under these regulations and all the provisions of these regulations as they apply to a recognised stock exchange shall also apply to such stock exchange:

Provided further that an existing clearing house of a recognised stock exchange or any person who clears and settles trades of a recognised stock exchange, as on the date of the commencement of these regulations, may continue to do so for a period of three months from the date of commencement of these regulations or, if he has made an application under regulation 4 for recognition, till disposal of such application.

**Application for recognition.**

4. Subject to compliance with the provisions of Act, rules and these regulations, an application for recognition as a stock exchange shall be submitted to the Board in Form A as prescribed under rule 3 of the rules and an application for recognition as a clearing corporation shall be submitted to Board in Form A as specified in Schedule – I of these regulations.

**Fee for application.**

5. An applicant seeking recognition as a stock exchange shall pay application fee in terms of rule 4 of the rules, and an applicant seeking recognition as a clearing corporation shall also pay application fee as payable by a stock exchange.

**Documents and particulars for application.**

6. (1) An application for recognition as a stock exchange or a clearing corporation, as the case may be, shall be accompanied by copies of memorandum of association, articles of association, bye-laws and other documents as provided in sections 3 and 4 of the Act, rule 5 of the rules and these regulations.

(2) In addition to the documents specified in sub-regulation (1), the application for recognition as a clearing corporation shall be accompanied by the agreement(s) entered into by the applicant with the recognised stock exchange(s) and depositories.

**Consideration of grant of recognition.**

7. (1) The application under regulation 4 shall be governed by the provisions of the Act, rules and these regulations.

(2) An applicant seeking recognition as a stock exchange or clearing corporation shall comply with the following conditions, namely:—

- (a) the applicant is a company limited by shares;
- (b) the applicant is demutualised;
- (c) the applicant, its directors and its shareholders who hold or intend to hold shares, are fit and proper persons as described in regulation 20;
- (d) the applicant satisfies requirements relating to ownership and governance structure specified in these regulations;
- (e) the applicant satisfies networth requirements specified in these regulations;
- (f) the applicant satisfies requisite capability including its financial capacity, functional expertise and infrastructure.

*Explanation.*—For the purposes of this sub-regulation, the term "demutualised" means that the ownership and management of the applicant is segregated from the trading rights or clearing rights, as the case may be, in terms of these regulations.

(3) An applicant seeking recognition as a stock exchange shall, in addition to conditions as specified in sub-regulations (1) and (2), comply with the following conditions, namely:—

- (a) the applicant has the necessary infrastructure for orderly execution of trades;
- (b) the applicant has an online screen-based trading system;
- (c) the applicant has an online surveillance capability which monitors positions, prices and volumes in real time so as to ensure market integrity;
- (d) the applicant has adequate infrastructure to list securities for trading on its platform, wherever applicable;
- (e) the applicant has necessary capability to have a nationwide network of trading members and has adequate facility to admit and regulate its members;
- (f) the applicant has made necessary arrangements to establish connectivity with its trading members and clearing corporation;
- (g) the applicant has adequate Investor Protection Fund and Investor Services Fund;
- (h) the applicant has adequate investor grievances redressal mechanism and arbitration mechanism to resolve disputes arising out of trades and its settlement;
- (i) the applicant has the facility to disseminate information about trades, quantities and quotes in real time to at least two information vending networks which are accessible to investors in the country;
- (j) the applicant has adequate systems' capacity supported by a business continuity plan including a disaster recovery site;
- (k) the applicant has in its employment, sufficient number of persons having adequate professional and other relevant experience;
- (l) the business feasibility plan has been appraised by a reputed agency having expertise in securities market; and
- (m) any other conditions as may be specified by the Board.

(4) An applicant seeking recognition as a clearing corporation shall, in addition to conditions as specified in sub-regulations (1) and (2), comply with the following conditions, namely:—

- (a) the applicant has necessary infrastructure to ensure timely clearing and settlement of trades;
- (b) the applicant has adequate risk management mechanism;
- (c) the applicant has a settlement procedure including netting, novation and guarantee for settlement of trades in place, which is in accordance with the manner specified by the Board;
- (d) the applicant has the capacity to establish a fund to guarantee settlement of trades;
- (e) the applicant has necessary capability to have a wide network of clearing members and has adequate facility to admit and regulate its members;
- (f) the applicant has established connectivity with the depositories, clearing banks, stock exchange and clearing members;
- (g) the applicant has adequate systems' capacity for on-line/real time risk management of trades cleared and settled and is supported by a suitable business continuity plan including a disaster recovery site;
- (h) the applicant has in its employment, sufficient number of persons having adequate professional and other relevant experience to the satisfaction of the Board;
- (i) the applicant has the necessary arrangements in place for resolving disputes and redressal of grievances arising out of clearing and settlement of trades;

- (j) the applicant has an agreement with a depository and with a recognised stock exchange in respect of clearing and settlement of the trades;
- (k) the business feasibility plan has been appraised by a reputed agency having expertise in securities market; and
- (l) any other conditions as may be specified by the Board.

(5) The Board may, on being satisfied with the capability of the applicant to comply with the conditions laid down in this regulation, grant an in-principle approval to the applicant which shall be valid for a period of one year:

Provided that the Board may, upon sufficient cause shown by the applicant, extend the validity of in-principle approval for a further period not exceeding six months.

**Power to make inquiries and call for information.**

8. The Board may, before granting recognition to a stock exchange or clearing corporation, make inquiries and require such further information or document to be furnished, as it may deem necessary.

**Grant of recognition.**

9. (1) The Board may, after considering the application under regulation 4 and on being satisfied that the applicant has complied with the conditions laid down in regulation 7 and is eligible to act as a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, as the case may be, grant recognition to the applicant in terms of section 4 of the Act, in the interest of the securities market.

(2) The recognition granted to a stock exchange under sub-regulation (1) shall be in Form B of the rules.

(3) The recognition granted to a clearing corporation shall be in Form B of Schedule-I of these regulations.

(4) The recognised stock exchange and the recognised clearing corporation shall comply with such other conditions, including those with regard to the nature of securities to be dealt with, as may be imposed by the Board from time to time.

**Period of recognition.**

10. (1) The period of recognition granted to a stock exchange shall be as per rule 6 of the rules.

(2) The recognition granted to a clearing corporation, unless granted on a permanent basis, shall be for such period not less than one year as may be specified in the recognition.

**Regulatory fee.**

11. (1) Every recognised stock exchange shall pay the regulatory fee in terms of Securities and Exchange Board of India(Regulatory Fee on Stock Exchanges) Regulations, 2006.

(2) Every recognised clearing corporation shall pay the regulatory fee as the Board may specify.

**Renewal of recognition.**

**12.** (1) In addition to rule 7 of the rules, the provisions of these regulations, as they apply for grant of recognition to a stock exchange, shall also apply in relation to an application for renewal of recognition of a recognised stock exchange.

(2) A recognised clearing corporation desirous of renewal of recognition shall make an application to the Board in Form A of Schedule—I of these regulations and such application shall reach the Board atleast three months prior to the date of expiry of the recognition.

(3) The provisions of these regulations, as they apply for grant of recognition to a clearing corporation, shall also apply in relation to an application for renewal of recognition of a recognised clearing corporation.

(4) An applicant seeking renewal of recognition as a stock exchange shall pay fee in terms of rule 7 of the rules, and an applicant seeking renewal of recognition as a clearing corporation shall also pay fee as payable by a stock exchange.

(5) The recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall comply with the applicable conditions specified in sub-regulation (3) and sub-regulation (4) of regulation 7, as the case may be, on a continuous basis.

**Withdrawal of recognition.**

**13.** The recognition granted to a stock exchange or a clearing corporation may be withdrawn in the manner provided under section 5 of the Act.

### **CHAPTER III NETWORTH OF STOCK EXCHANGE AND CLEARING CORPORATION**

**Networth requirements.**

**14.** (1) Every recognised stock exchange shall have a minimum networth of one hundred crore rupees at all times:

Provided that a recognised stock exchange having a lesser networth as on the date of commencement of these regulations shall achieve a minimum networth of one hundred crore rupees within a period of three years from the date of commencement of these regulations.

(2) Every applicant seeking recognition as a clearing corporation under regulation 4 shall have a minimum networth of one hundred crore rupees:

Provided that sub-regulation (2) shall not apply to an applicant which clears and settles trades of a recognised stock exchange on the date of commencement of these regulations.

(3) Every recognised clearing corporation shall achieve a minimum networth of three hundred crore rupees within a period of three years from the date of recognition granted under these regulations:

Provided that the Board may, upon an application made by the recognised clearing corporation, extend the time specified above in the interest of the securities market.

(4) A recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not distribute profits in any manner to its shareholders until the networth specified under sub-regulations (1) and (3), as the case may be, is achieved.

(5) Every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall submit an audited networth certificate from the statutory auditor on a yearly basis by the thirtieth day of September of every year for the preceding financial year.

*Explanation I.*—For the purposes of this regulation, 'networth of a stock exchange' means the aggregate value of paid up equity share capital plus free reserves (excluding statutory funds, benefit funds and reserves created out of revaluation) reduced by the investments in businesses, whether related or unrelated, aggregate value of accumulated losses and deferred expenditure not written off, including miscellaneous expenses not written off.

*Explanation II.*—For the purposes of this regulation, 'networth of a clearing corporation' means the aggregate value of its liquid assets calculated in the manner as specified by the Board from time to time.

#### CHAPTER IV OWNERSHIP OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS

##### **Definitions.**

15. For the purposes of this Chapter:

- (a) "banking company" shall have the same meaning as assigned to it in clause (c) of section 5 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (b) "insurance company" shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (8) of section 2 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938);
- (c) "person resident in India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (v) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999);
- (d) "person resident outside India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (w) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999).

##### **General conditions.**

16. (1) Save as otherwise provided in these regulations, the shareholding or voting rights of any person in a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not exceed the limits specified in this Chapter at any point of time.

(2) The shareholding as specified in this Chapter shall include any instrument owned or controlled, directly or indirectly, that provides for entitlement to equity or rights over equity at any future date:

Provided that any equity or rights over equity, arising from such instruments in excess of limit of shareholding specified in this Chapter on the date of commencement of these regulations, shall be reduced to the specified limit within a period as may be decided by the Board, which may extend upto three years from the date of such commencement.

**Shareholding in a recognised stock exchange.**

**17.** (1) Atleast fifty one per cent. of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange shall be held by public.

(2) No person resident in India shall at any time, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange:

Provided that,—

- (i) a stock exchange;
- (ii) a depository;
- (iii) a banking company;
- (iv) an insurance company; and
- (v) a public financial institution,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent. of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange.

(3) No person resident outside India, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, shall acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange.

(4) The combined holding of all persons resident outside India in the paid up equity share capital of a recognised stock exchange shall not exceed, at any time, forty-nine per cent. of its total paid up equity share capital, subject to the following:—

- (a) the combined holding of such persons acquired through the foreign direct investment route shall not exceed twenty six per cent. of the total paid up equity share capital, at any time;
- (b) the combined holding of foreign institutional investors shall not exceed twenty three per cent. of the total paid up equity share capital, at any time;
- (c) no foreign institutional investor shall acquire shares of a recognised stock exchange otherwise than through secondary market.

*Explanation.*—For the purposes of clause (c), the acquisition of shares in a recognised stock exchange through secondary market shall be construed as follows:—

- I. If the recognised stock exchange is not listed, a foreign institutional investor may acquire its shares through transactions outside of a recognised stock exchange provided it is not an initial allotment of shares;
- II. If the recognised stock exchange is listed, the transactions by a foreign institutional investor shall be done through the recognised stock exchange where such shares are listed.

(5) No clearing corporation shall hold any right, stake or interest, of whatsoever nature, in any recognised stock exchange.

**Shareholding in a recognised clearing corporation.**

**18.**(1) Atleast fifty one per cent. of the paid up equity share capital of a recognised clearing corporation shall be held by one or more recognised stock exchange(s):

Provided that no recognised stock exchange shall, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than fifteen per cent. of the paid up equity share capital in more than one recognised clearing corporation.

(2) No person resident in India, except a recognised stock exchange as permitted in sub-regulation (1), shall at any time, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital in a recognised clearing corporation:

Provided that,—

- (i) a depository;
- (ii) a banking company;
- (iii) an insurance company; and
- (iv) a public financial institution,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen per cent. of the paid up equity share capital of a recognised clearing corporation.

(3) No person resident outside India shall, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital in a recognised clearing corporation.

(4) The combined holding of all persons resident outside India in the paid up equity share capital of a recognised clearing corporation shall not exceed, at any time, forty-nine per cent. of its total paid up equity share capital, subject to the following:—

- (a) the combined holding of such persons acquired through the foreign direct investment route shall not exceed twenty six per cent. of the total paid up equity share capital, at any time;
- (b) the combined holding of foreign institutional investors shall not exceed twenty three per cent. of the total paid up equity share capital, at any time;
- (c) no foreign institutional investor shall acquire shares of a recognised clearing corporation otherwise than through secondary market.

(5) Any person holding equity shares in a recognised clearing corporation in excess of the limits specified in this regulation on the date of commencement of these regulations shall comply with the conditions specified in this regulation within a period of three years from the date of such commencement.

#### **Eligibility for acquiring or holding shares.**

19. (1) No person shall, directly or indirectly, acquire or hold equity shares of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation unless he is a fit and proper person.

(2) Any person who, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire equity shares such that his shareholding exceeds two per cent. of the paid up equity share capital of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall seek approval of the Board within fifteen days of the acquisition.

(3) A person eligible to acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital under sub-regulation (2) of regulation 17 and sub-regulation (2) of regulation 18 may acquire or hold more than five per cent. of the paid up equity share capital of a recognised

stock exchange or a recognised clearing corporation only if he has obtained prior approval of the Board.

(4) Any person holding more than two per cent. of the paid up equity share capital of the recognised stock exchange or the clearing corporation on the date of commencement of these regulations, shall ensure compliance with this regulation within a period of ninety days from the date of such commencement.

(5) If approval under sub-regulation (2) or (3) is not granted by the Board to any person, such person shall forthwith divest his excess shareholding.

(6) Any person holding more than two per cent. of the paid up equity share capital in a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, as the case may be, shall file a declaration within fifteen days from the end of every financial year to the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, as the case may be, that he complies with the fit and proper criteria provided in these regulations.

#### **Fit and proper criteria.**

20. (1) For the purposes of these regulations, a person shall be deemed to be a fit and proper person if—

- (a) such person has a general reputation and record of fairness and integrity, including but not limited to—
  - (i) financial integrity;
  - (ii) good reputation and character; and
  - (iii) honesty;
- (b) such person has not incurred any of the following disqualifications—
  - (i) the person, or any of its whole time directors or managing partners, has been convicted by a court for any offence involving moral turpitude or any economic offence or any offence against the securities laws;
  - (ii) an order for winding up has been passed against the person;
  - (iii) the person, or any of its whole time directors or managing partners, has been declared insolvent and has not been discharged;
  - (iv) an order, restraining, prohibiting or debarring the person, or any of its whole time directors or managing partners, from dealing in securities or from accessing the securities market, has been passed by the Board or any other regulatory authority, and a period of three years from the date of the expiry of the period specified in the order has not elapsed;
  - (v) any other order against the person, or any of its whole time directors or managing partners, which has a bearing on the securities market, has been passed by the Board or any other regulatory authority, and a period of three years from the date of the order has not elapsed;
  - (vi) the person has been found to be of unsound mind by a court of competent jurisdiction and the finding is in force; and
  - (vii) the person is financially not sound.

(2) If any question arises as to whether a person is a fit and proper person, the Board's decision on such question shall be final.

**Disclosure of shareholding.**

**21.** (1) Without prejudice to the provisions of the Act, rules and these regulations, the recognised stock exchange(s) and the recognised clearing corporation(s) shall disclose to the Board, in the format specified by the Board, their shareholding pattern on a quarterly basis within fifteen days from the end of each quarter, including therein the following:—

- (a) the names of the ten largest shareholders along with the number and percentage of shares held by them;
- (b) the names of the shareholders falling under regulations 17 and 18 who had acquired shares in that quarter.

(2) A recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall monitor and ensure compliance with this Chapter at all times.

**Record keeping.**

**22.** In addition to the requirements under other laws in force, a recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall maintain and preserve all the books, registers, other documents and records relating to the issue or transfer of its securities for a period of not less than ten years.

**CHAPTER V****GOVERNANCE OF STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS****Composition of the governing board.**

**23.** (1) The governing board of every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall include:

- (a) shareholder directors;
- (b) public interest directors; and,
- (c) managing director.

(2) Subject to prior approval of the Board, the chairperson shall be elected by the governing board from amongst the public interest directors.

(3) The number of public interest directors shall not be lesser than the number of shareholder directors in a recognised stock exchange.

(4) The number of public interest directors of a recognised clearing corporation shall not be less than two-third, and shareholder directors shall not exceed one-third, of its governing board strength.

(5) The managing director shall be an ex-officio director on the governing board and shall not be included in either the category of public interest directors or shareholder directors.

(6) Any employee of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation may be appointed on the governing board in addition to the managing director, and such director shall be deemed to be a shareholder director.

(7) No trading member or clearing member, or their associates and agents, shall be on the governing board of any recognised stock exchange or recognised clearing corporation.

(8) Atleast one public interest director shall be present in the meetings of the governing board to constitute the quorum.

(9) No foreign institutional investor shall have any representation in the governing board of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation.

(10) Every recognised stock exchange shall ensure compliance with the provisions of this regulation within three months from the date of commencement of these regulations.

#### **Conditions of appointment of directors.**

24. (1) The appointment and re-appointment of all shareholder directors on the governing board of every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall be with the prior approval of the Board.

(2) The public interest directors on the governing board of the recognised stock exchange(s) and the recognised clearing corporation(s) shall be nominated by the Board.

(3) Public interest directors shall be nominated for a fixed term of three years, or for such extended period, as may be approved by the Board.

(4) If any issue arises as to whether an assignment or position of a public interest director is in conflict with his role, the Board's decision shall be final.

(5) A public interest director may be renominated after a cooling-off period of one year or such period as the Board may deem fit in the interest of the securities market.

(6) Public interest directors shall be paid only sitting fees as specified in the Companies Act, 1956.

#### **Appointment of managing director.**

25. (1) The appointment, renewal of appointment and termination of service of the managing director of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall be subject to prior approval of the Board.

(2) Every recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall, subject to the guidelines issued by the Board from time to time, determine the qualification, manner of appointment, terms and conditions of appointment and other procedural formalities associated with the selection/ appointment of the managing director.

(3) The appointment of the managing director shall be for a tenure not less than three years and not exceeding five years.

(4) The managing director of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall not—

(a) be a shareholder or an associate of a shareholder of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation or shareholder of an associate of a recognised stock exchange or recognised clearing corporation, as the case may be;

(b) be a trading member or a clearing member, or his associate and agent, or shareholder of a trading member or clearing member or shareholder of an associate and agent of a trading member or a clearing member; or  
(c) hold any position concurrently in the subsidiary of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, or in any other entity associated with a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation:

Provided that the managing director of a recognised stock exchange may be appointed on the governing board, but not as managing director, of the subsidiary of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, as the case may be.

(5) The managing director shall be liable for removal or termination of services by the governing board of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation with the prior approval of the Board for failure to give effect to the directions, guidelines and other orders issued by the Board, or the rules, the articles of association, bye-laws and regulations of the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation.

(6) The Board may *suo motu* remove or terminate the appointment of the managing director if deemed fit in the interest of securities market:

Provided that no managing director shall be removed unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

**Code of Conduct for directors and key management personnel.**

26. (1) Every director of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall abide by the Code of Conduct specified under Part- A of Schedule- II of these regulations.

(2) Every director and key management personnel of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall abide by the Code of Ethics specified under Part- B of Schedule- II of these regulations.

(3) Every director and key management personnel of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall be a fit and proper person as described in regulation 20.

(4) The Board may, for any failure by the directors to abide by these regulations or the Code of Conduct or Code of Ethics or in case of any conflict of interest, either upon a reference from the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation or *suo motu*, take appropriate action including removal or termination of the appointment of any director, after providing him a reasonable opportunity of being heard.

**Compensation and tenure of key management personnel.**

27. (1) A recognised stock exchange or a recognised clearing corporation shall constitute a compensation committee comprising a majority of public interest directors and chaired by a public interest director.

(2) The compensation committee shall determine the compensation of key management personnel in terms of a compensation policy.

(3) The compensation policy shall be in accordance with the norms specified by the Board.

(4) The compensation payable to the managing director shall be as approved by the Board and the terms and conditions of the compensation of the managing director shall not be changed without prior approval of the Board.

(5) The compensation given to the key management personnel shall be disclosed in the Report of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation under section 217 of the Companies Act, 1956.

(6) The tenure of a key management personnel, other than a director, shall be for a fixed period, as may be decided by the compensation committee.

#### **Segregation of regulatory departments.**

28. The recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall segregate its regulatory departments from other departments in the manner specified in Part-C of Schedule-II of these regulations.

#### **Oversight committees.**

29. (1) Every recognised stock exchange shall constitute independent oversight committees of the governing board, each chaired by a public interest director, in order to address the conflicts of interest in respect of—

- (a) member regulation,
- (b) listing functions, and
- (c) trading and surveillance function.

(2) A recognised stock exchange shall follow the minimum listing standards specified by the Board from time to time.

(3) The heads of departments handling the matters referred to in sub-regulation (1) shall report directly to the respective committee and also to the managing director.

(4) Any action of a recognised stock exchange against a head of a regulatory department shall be subject to an appeal to the respective committee specified under sub-regulation (1), within such period as may be determined by the governing board.

(5) The provisions of this regulation shall *mutatis mutandis* apply to a recognised clearing corporation.

#### **Advisory committee.**

30. (1) An advisory committee shall be constituted by the governing board of every recognised stock exchange and recognised clearing corporation to advise the governing board on non-regulatory and operational matters including product design, technology, charges and levies.

(2) The advisory committee of a recognised stock exchange shall comprise its trading members and the advisory committee of a recognised clearing corporation shall comprise its clearing members.

(3) The chairperson of the governing board shall be the head of the advisory committee and the managing director shall be a permanent invitee to every meeting of the advisory committee.

(4) The advisory committee shall meet at least four times a year with a maximum gap of three months between two meetings.

(5) The recommendations of the advisory committee shall be placed in the ensuing meeting of the governing board of the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation for consideration and appropriate decision of the governing board, and such recommendations along with the decision of the governing board on the same, shall be disclosed on their respective websites.

(6) Trading members and clearing members shall not be part of any other committee of the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation, as the case may be.

**Risk management committee of a clearing corporation.**

31. (1) Every recognised clearing corporation shall constitute a risk management committee, comprising its public interest directors and independent external experts, which shall report to the governing board.

(2) The risk management committee shall formulate a detailed risk management policy which shall be approved by the governing board.

(3) The head of the risk management department shall be responsible for implementation of the risk management policy and he shall report to the risk management committee and to the managing director of the recognised clearing corporation.

(4) The risk management committee shall monitor implementation of the risk management policy and keep the Board and the governing board informed about its implementation and deviation, if any.

**Appointment of compliance officer.**

32. (1) Every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, the Companies Act, 1956, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, rules, regulations, or directions issued thereunder and for the redressal of investors' grievances.

(2) The compliance officer shall, immediately and independently, report to the Board any non-compliance of any provision stated in sub-regulation (1) observed by him.

**Transfer of profits.**

33. Every recognised stock exchange shall credit twenty five per cent. of its profits every year to the Fund as specified in regulation 39, of the recognised clearing corporation(s) which clears and settles trades executed on that stock exchange.

**Transfer of penalties.**

34. Penalties levied by recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall be credited to its Investor Protection Fund or the Fund as specified in regulation 39, as the case may be.

**Disclosure and corporate governance norms.**

35. The disclosure requirements and corporate governance norms as specified for listed companies shall *mutatis mutandis* apply to a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation.

## CHAPTER VI

### GENERAL OBLIGATIONS

**Clearing and settlement of trades.**

36. Every recognised stock exchange shall, with effect from the date specified by the Board in this behalf, use the services of recognised clearing corporation(s) for clearing and settlement of its trades.

**Agreement between stock exchange and clearing corporation.**

37. (1) Subject to provisions of sub-regulation (2), a recognised stock exchange shall avail the service of a recognised clearing corporation pursuant to an agreement in writing between them stipulating their rights and obligations, the conditions for admission of securities for clearing and settlement, risk management measures, charges for clearing and settlement and other incidental and consequential matters.

(2) The recognised stock exchange shall extend its arbitration mechanism for settlement of disputes or claims arising out of clearing and settlement of trades executed on such stock exchange.

**Admission of securities for clearing and settlement.**

38. A recognised clearing corporation shall seek approval of the Board before extending its services to any segment of a recognised stock exchange and before admitting any securities for clearing and settlement.

**Fund to guarantee settlement of trades.**

39. (1) Every recognised clearing corporation shall establish and maintain a Fund by whatever name called, for each segment, to guarantee the settlement of trades executed in respective segment of a recognised stock exchange.

(2) The Settlement Guarantee Fund or the Trade Guarantee Fund of an existing recognised stock exchange shall be transferred to the recognised clearing corporation to which the clearing and settlement functions of the stock exchange are transferred.

(3) Till such time the Fund is transferred under sub-regulation (2), it shall be utilized only for the purposes of meeting settlement obligations as specified by the Board and as per the bye-laws of the recognised stock exchange.

(4) An existing clearing corporation shall continue to utilize its Settlement Guarantee Fund or Trade Guarantee Fund after its recognition under these regulations.

(5) In the event of a clearing member failing to honour his settlement obligations, the Fund shall be utilized to complete the settlement.

(6) The corpus of the Fund shall be adequate to meet the settlement obligations arising on account of failure of clearing member(s).

(7) The sufficiency of the corpus of the Fund shall be tested by way of periodic stress tests, in the manner specified by the Board.

(8) The contribution and utilization of the Fund shall be in accordance with the norms specified by the Board.

**Utilization of profits and investments.**

**40.** The utilization of profits and investments by recognised clearing corporations shall be in accordance with the norms specified by the Board.

**Equal, fair and transparent access.**

**41.** (1) The recognised clearing corporation shall lay down a transparent policy framework for ensuring that there is no discrimination while rendering clearing and settlement services in settlement of trades on shareholder stock exchange(s) and on non-shareholder stock exchange(s).

(2) The recognised clearing corporation and recognised stock exchange shall ensure equal, unrestricted, transparent and fair access to all persons without any bias towards its associates and related entities.

(3) The recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall not engage in activities that are unrelated or not incidental to its activity as a stock exchange or clearing corporation, as the case may be, except through a separate legal entity and as permitted by the Board.

**Maintenance of books of accounts and records.**

**42.** (1) Every recognised stock exchange shall maintain and preserve the books of account and documents as per rule 14 of the rules.

(2) Subject to the provisions of any other law for the time being in force, every recognised clearing corporation shall maintain and preserve the following books of account and documents for a minimum period of ten years, namely:—

- (a) Minute books of the meetings of:
  - (i) governing board;
  - (ii) any committees of the governing board;
- (b) Record of clearing members showing their full names, addresses and details of bank and depository accounts for settlement purposes;
- (c) Transaction records;
- (d) Record of security deposits;
- (e) Margin deposits book;
- (f) Client margin collection details;
- (g) Ledgers;
- (h) Journals;
- (i) Cash book;
- (j) Bank account statement;
- (k) Such other books of accounts and documents as may be specified by the Board from time to time.

**Submission of annual financial statements and returns.**

43. (1) Every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall furnish to the Board its annual financial statements and returns as per rule 17 and 17A of the rules.

(2) The records as per sub-regulation (1) with respect to preceding financial year shall be furnished to the Board by the thirtieth of September of every year.

**Bye-laws, rules, etc. of stock exchanges and clearing corporation.**

44. (1) A recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall, with the previous approval of the Board, make bye-laws for the regulation of contracts and clearing and settlement, as the case may be, as per section 9 of the Act and these regulations.

(2) No memorandum of association, articles of association or any other constitution document, in so far as they relate to matters specified in section 3 of the Act or under these regulations and bye-laws of a recognised stock exchange or a recognised clearing corporation, shall be amended except with prior approval of the Board.

## CHAPTER VII

### LISTING OF SECURITIES

**Listing.**

45. (1) Subject to the provisions of applicable laws in force, a recognised stock exchange may apply for listing of its securities on any recognised stock exchange, other than itself and its associated stock exchange, if,—

- (a) it is compliant with the provisions of these regulations particularly those relating to ownership and governance;
- (b) it has completed three years of continuous trading operations immediately preceding the date of application of listing; and
- (c) it has obtained approval of the Board.

(2) The Board may specify such conditions as it may deem fit in the interest of the securities market including those in relation to transfer of shares held by any person.

(3) A recognised stock exchange shall not list any securities of its associates.

(4) The securities of a recognised clearing corporation shall not be listed on any stock exchange.

**Dematerialization.**

46. Securities of a recognised stock exchange and a recognised clearing corporation shall be in dematerialised form.

## CHAPTER VIII MISCELLANEOUS

### Power to call for information.

47. The Board may from time to time call for any information, documents or records from the recognised stock exchange or the recognised clearing corporation, or their governing board or any shareholder thereof.

### Power of inspection.

48. (1) The Board may at any time undertake inspection, conduct inquiries and audit of any recognised stock exchange or recognised clearing corporation, any associate of such exchange or clearing corporation, any shareholder of such stock exchange or clearing corporation or any associate and agent of such shareholder.

(2) Where an inspection under sub-regulation (1) is undertaken by the Board, such recognised stock exchange or recognised clearing corporation or shareholder or associate and every manager, director, managing director, chairperson or officer and other employee of such recognised stock exchange, recognised clearing corporation, shareholder or associate shall co-operate with the Board.

### Directions by the Board.

49. Without prejudice to exercise of its powers under the provisions of the Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and rules and regulations made thereunder, the Board may, either *suo motu* or on receipt of any information or during pendency of any inspection, inquiry or investigation or on completion thereof, in the interest of public or trade or investors or the securities market, issue such directions as it deems fit, including but not limited to any or all of the following:—

- (a) directing a person holding equity shares or rights over equity shares in a recognised stock exchange or recognised clearing corporation in contravention of these regulations to divest his holding, in such manner as may be specified in the direction;
- (b) directing transfer of any proceeds or securities to the Investor Protection Fund of a recognised stock exchange or Settlement Guarantee Fund of a recognised clearing corporation;
- (c) debarring any recognised stock exchange or recognised clearing corporation, any shareholder of such recognised stock exchange or recognised clearing corporation, or any associate and agent of such shareholder, or any transferee of shares from such shareholder, directors and key management personnel of recognised stock exchange and recognised clearing corporation from accessing the securities market or dealing in securities for such period as may be determined by the Board.

### Power to remove difficulties.

50. In order to remove any difficulties in the interpretation or application of the provisions of these regulations, the Board shall have the power to issue directions through guidance notes or circulars.

### Power to specify procedures, etc. and issue clarifications.

51. For the purposes of implementation of these regulations and matters incidental thereto, the Board may specify norms, procedures, processes, manners or guidelines as specified in

these regulations, by way of circulars to recognised stock exchange(s) and recognised clearing corporation(s).

**Repeal and savings.**

**52.** (1) On and from the commencement of these regulations, the Securities Contracts (Regulation) (Manner of Increasing and Maintaining Public Shareholding in Recognized Stock Exchanges) Regulations, 2006, shall stand repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been taken or contemplated under the repealed regulations before the commencement of these regulations shall be deemed to have been done or taken or commenced or contemplated under the corresponding provisions of these regulations.

(3) After the repeal of the regulations referred to in sub-regulation (1), any reference thereto in any regulation, guideline, circular or direction issued by the Board shall be deemed to be a reference to the relevant provisions of these regulations.

**SCHEDULE - I****FORM A**

[See regulations 4 and 12]

**Application for recognition/renewal of recognition of a clearing corporation under regulation 4/regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012**

To .....

Subject: Application for recognition or renewal of recognition of a clearing corporation under regulation 4/regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012.

Sir,

1. We/I on behalf of ..... (name and address of clearing corporation ) being a clearing corporation hereby apply for recognition/renewal of recognition for the purposes of the said Act in respect of clearing and settlement of contracts in securities.
2. Two copies of the rules, memorandum and articles of association relating in general to the constitution and management of the clearing corporation and two copies of the bye-laws for the clearing and settlement of contracts in securities are enclosed.
3. All the necessary information required in the Annexure to this Form is enclosed. Any additional information will be furnished as and when called for by the Board.
4. We/I, on behalf of the said clearing corporation, hereby undertake to comply with the requirements of section 4 of the said Act and such other conditions and terms as may be contained in the certificate of recognition or be provided or imposed subsequently.
5. Demand Draft No.....dated.....drawn in favour of Securities and Exchange Board of India for .....towards payment of fees as specified in regulation 5/ regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012, is attached.

Yours faithfully,

Authorised signatory

**ANNEXURE TO FORM 'A'*****Part I – General***

1. Name of the applicant clearing corporation.
2. Address.
3. Date of establishment or incorporation of a clearing corporation.
4. Is your clearing corporation a joint stock company (state whether public or private) registered under the Companies Act?
5. Give details of your capital structure and attach three copies of the audited balance sheets and profit and loss account of the clearing corporation for the preceding three years.
6. Give details of shareholding pattern of the clearing corporation.
7. Has your business viability plan been appraised by a reputed agency having expertise in securities market for its viability? Give a copy of the appraisal report.
8. Have you entered into an agreement with recognised stock exchange(s) for clearing and settling its trades? Give the name of such stock exchange(s) and details of its organisation and management.

***Part II – Clearing membership of clearing corporation.***

9. State the number of clearing members at the time of application. Also specify how many are inactive.
10. State whether there is any provision, resolution or convention for limiting the number of clearing members and whether in pursuance thereof you have fixed a ceiling on the number of clearing members that you would admit.
11. Do you insist on any minimum qualifications and experience before enrolling new clearing members? If so, give details.
12. State the different classes of clearing members, if any, the number thereof and the privileges enjoyed by each class. What is the procedure followed by your clearing corporation for the admission of different classes of new clearing members?
13. What are the rates of your annual subscription in respect of the different classes of clearing members?
14. Do you collect any security deposit from your clearing members? If so, give details and also state the manner in which such deposits are utilised and the rate of interest allowed, if any.
15. Do you collect any admission or entrance fees from your clearing members? If so, how much?
16. Do you insist on your clearing members divesting themselves of other activities either as principal or as employee?
17. Give details of the scale of brokerage and other charges, if any, specified by your clearing corporation.
18. Do you prescribe standard form of agreement to be entered with the trading member for engaging the services of your clearing member? Attach two copies of such agreement.
19. What are the measures adopted by you to regulate or prohibit advertising or issuing circulars by your clearing members?
20. Do you require clearing members to supply such information or explanation and to produce such books relating to their business as your governing board may require?

21. Do you undertake periodic inspection of your clearing members? Give details including the number of annual inspections and manpower available for conducting inspection.

*Part III – Governing Board*

22. What is the present strength of your governing board? Give details of the constitution, powers of management, election and tenure of office of members of the governing board, and the manner in which its business is transacted.

23. Are any trade or commercial interest represented on your governing board? If so, give details of interests represented.

24. Do you associate members of investors associations with the management of your clearing corporation? If so, state the manner in which it is done.

25. Are there any Government or the Board representatives on your governing board? If so, furnish their names.

26. How many public interest directors are there on the governing board? Furnish their names, qualifications and experience.

27. Do your rules provide for the direct election by clearing members on the Advisory Committee of the governing board? If so, give details of its constitution, tenure, powers and functions.

28. Do you have any provision for the appointment of standing or ad hoc subcommittees of the governing board? If so, furnish details of their composition, appointment, term of office, powers and functions.

29. Give the designations, powers and duties of key management personnel of your clearing corporation. Give details as to the mode of their appointment, tenure of office and remuneration.

30. What are the disciplinary powers with the governing board to enforce due compliance by clearing members of the rules and bye-laws of the clearing corporation and generally to ensure proper standard of business conduct?

31. What provisions have you made for the levy and recovery of fees, fines and penalties?

*Part IV – Clearing and Settlement*

32. Describe the clearing and settlement system of the clearing corporation.

33. State the different kinds of products being cleared and settled or proposed to be cleared and settled in your clearing corporation(e.g., equity, equity derivative, currency derivatives, interest rate derivatives, debt instruments, etc.). State the period of delivery, payment and the settlement mechanism in each case.

34. What are the conditions subject to which trades are settled and cleared on your clearing corporation?

35. What are your requirements for admitting derivative transactions for clearing and settlement?

36. Do you have the right to prohibit, withdraw or suspend clearing and settlement of dealings admitted for clearing and settlement? If so, under what circumstances is this right exercised?

37. Give details of the clearing and settlement charges and other charges, if any, levied by your clearing corporation.

38. What provisions have you made for periodical settlement of contracts and differences thereunder, the delivery of, and payment for securities and the passing of delivery orders?

39. How do you fix, alter or postpone the dates of settlement?
40. Do you provide any safeguards for the prevention of market manipulation, especially in the case of physical delivery of shares in the derivative markets and for meeting emergencies in settlement? Give details.
41. Provide a detailed assessment of the measures adopted to address the various risks faced by the clearing corporation in terms of the BIS-IOSCO paper on 'Principles for Financial Market Infrastructures.'
42. Do you publish any statistics in regard to business done on the clearing corporation including the value of Settlement Guarantee Fund and transactions settled through the clearing corporation, if maintained? In particular, have you evolved any machinery for computing the gross and net exposure of the clearing corporation and the value of clearing and settling of different kinds of contracts permitted on your clearing corporation? Give details.
43. (a) Do you have any bye-laws, contravention of which makes a contract void?  
 (b) Do you have necessary infrastructure, margin mechanism and adequate risk management mechanism to ensure market safety and integrity? Give Details  
 (c) Do you undertake any other activity other than clearing and settling? Give Details.  
 (d) What is your net worth? Give Details.  
 (e) Give details of business hours?  
 (f) What are the conditions subject to which dealings are admitted for clearing and settlement?
44. Do you maintain Settlement Guarantee Fund? Give details of the corpus of the settlement guarantee fund, its contribution, circumstances for utilisation, priority of utilisation, etc
45. How do you ensure the adequacy of the Settlement Guarantee Fund? Do you perform stress tests on a periodic basis. Give details and results of the latest stress test.
46. What is the netting procedure adopted by the clearing corporation for determining the obligations of the clearing member?
47. What is your policy in respect of settling trades of shareholder stock exchange and non-shareholder stock exchange?
48. Do you have any provisions for regulating the volume of business and exposure taken by any individual clearing member other than through a system of margins? If so, give details.
49. What provisions have you made for regulating— (a) the entering into contracts, their performance and rescission (b) the consequences of breach, default or insolvency on the part of trading or clearing members whether acting as buyers, sellers or intermediaries?

#### *Part V – Infrastructure*

50. Do you have any machinery for arbitration of disputes between clearing members and/or between clearing members and their constituents and trading member and clearing member? Give details.
51. Have you established connectivity with the depositories, clearing banks, stock exchange and clearing members? Give details.
52. What is the average load that is being handled by your systems? What is the peak load that can be handled and the extent of scalability of the systems in times of stress?
53. What is your business continuity plan? Give details including details of the disaster recovery site.
54. What are the names, qualifications and expertise of your key management personnel?

**FORM B**

[See regulation 9 and 12]

**The Securities and Exchange Board of India**

No. ....The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for grant of recognition/renewal of recognition under regulation 4/regulation 12 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012 by..... (name and address of clearing corporation) and being satisfied that it would be in the interest of the trade, in the interest of securities market and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 read with sub-section (4) of section 8A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the said clearing corporation for ..... year/years ending .....20 ..... subject to the conditions stated herein below or as may be prescribed or imposed hereafter.

Seal of the Board

Date:

Place: Mumbai

Signature of Officer

**SCHEDULE - II****PART - A**  
[See regulation 26(1)]**Code of conduct for the directors on the governing board****i. Meetings and minutes.**

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- a) not participate in discussions on any subject matter in which any conflict of interest exists or arises, whether pecuniary or otherwise, and in such cases the same shall be disclosed and recorded in the minutes of the meeting;
- b) not encourage the circulation of agenda papers during the meeting, unless circumstances so require;
- c) offer their comments on the draft minutes and ensure that the same are incorporated in the final minutes;
- d) insist on the minutes of the previous meeting being placed for approval in subsequent meeting;
- e) endeavour to have the date of next meeting fixed at each governing board meeting in consultation with other members of the governing board;
- f) endeavour to ensure that in case all the items of the agenda of a meeting were not covered for want of time, the next meeting is held within fifteen days for considering the remaining items.

**ii. Code of Conduct for the public interest directors.**

- a) In addition to the conditions stated in Para (i) above, public interest directors of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall, endeavour to attend all the governing board meetings and they shall be liable to vacate office if they remain absent for three consecutive meetings of the governing board or do not attend seventy five per cent. of the total meetings of the governing board in a calendar year.
- b) Public interest directors shall meet separately, at least once in six months to exchange views on critical issues.

**iii. Strategic planning.**

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- a) participate in the formulation and execution of strategies in the best interest of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and contribute towards pro-active decision making at the governing board level;
- b) give benefit of their experience and expertise to the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and provide assistance in strategic planning and execution of decisions.

**iv. Regulatory compliances.**

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- a) endeavour to ensure that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation abides by all the provisions of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, rules and regulations framed thereunder and the circulars, directions issued by the Board from time to time;
- b) endeavour compliance at all levels so that the regulatory system does not suffer any breaches;
- c) endeavour to ensure that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation takes steps commensurate to honour the time limit stipulated by Board for corrective action;
- d) not support any decision in the meeting of the governing board which may adversely affect the interest of investors and shall report forthwith any such decision to the Board.

**v. General responsibility.**

Every director of the recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall—

- a) place priority for redressing investor grievances and encouraging fair trade practice so that the recognised stock exchange or recognised clearing corporation becomes an engine for the growth of the securities market;
- b) endeavour to analyse and administer the recognised stock exchange or recognised clearing corporation issues with professional competence, fairness, impartiality, efficiency and effectiveness;
- c) submit the necessary disclosures/statement of holdings/dealings in securities as required by the recognised stock exchange or recognised clearing corporation from time to time as per their Rules or Articles of Association;
- d) unless otherwise required by law, maintain confidentiality and shall not divulge/disclose any information obtained in the discharge of their duty and no such information shall be used for personal gains;
- e) maintain the highest standards of personal integrity, truthfulness, honesty and fortitude in discharge of their duties in order to inspire public confidence and shall not engage in acts discreditable to their responsibilities;
- f) perform their duties in an independent and objective manner and avoid activities that may impair, or may appear to impair, their independence or objectivity or official duties;
- g) perform their duties with a positive attitude and constructively support open communication, creativity, dedication, and compassion;
- h) not engage in any act involving moral turpitude, dishonesty, fraud, deceit, or misrepresentation or any other act prejudicial to the administration of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.

**PART - B**  
**[See regulation 26(2)]**

**Code of Ethics for directors and key management personnel of stock exchanges or clearing corporations**

The 'Code of Ethics' for directors and key management personnel of the recognised stock exchanges or recognised clearing corporations, is aimed at improving the professional and ethical standards in the functioning of recognised stock exchanges or recognised clearing corporations thereby creating better investor confidence in the integrity of the market.

**i. Objectives and underlying principles.**

The Code of Ethics for directors and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation seeks to establish a minimum level of business/ professional ethics to be followed by these directors and key management personnel, towards establishing a fair and transparent marketplace. The Code of Ethics is based on the following fundamental principles:

- Fairness and transparency in dealing with matters relating to the stock exchange or clearing corporation and the investors.
- Compliance with all laws/ rules/ regulations laid down by regulatory agencies/ recognised stock exchange/ recognised clearing corporation.
- Exercising due diligence in the performance of duties.
- Avoidance of conflict of interest between self interest of directors/ key management personnel and interests of recognised stock exchange or recognised clearing corporation and investors.

**ii. Ethics committee.**

For overseeing implementation of this Code, an ethics committee shall be constituted by every recognised stock exchange and recognised clearing corporation under the respective governing board.

**iii. General standards.**

- a) Directors and key management personnel shall endeavour to promote greater awareness and understanding of ethical responsibilities.
- b) Directors and key management personnel, in the conduct of their business shall observe high standards of commercial honour and just and equitable principles of trade.
- c) The conduct of directors and key management personnel in business life should be exemplary which will set a standard for other members of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.
- d) Directors and key management personnel shall not use their position to give/get favours to/from the executive or administrative staff of the stock exchange or clearing corporation, technology or service providers and vendors of the recognised recognised stock exchange or clearing corporation, or any listed

company at the recognised stock exchange.

- e) Directors and key management personnel shall not commit any act which will put the reputation of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, in jeopardy.
- f) Directors, committee members and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, should comply with all rules and regulations applicable to the securities market.

iv. **Disclosure of dealings in securities by key management personnel of the stock exchange or clearing corporation.**

- a) Key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall disclose on a periodic basis as determined by the stock exchange or recognised clearing corporation (which could be monthly), all their dealings in securities, directly or indirectly, to the governing board/ ethics committee/ Compliance Officer.
- b) The dealings in securities shall also be subject to trading restrictions for securities about which key management personnel in the recognised stock exchange or recognised clearing corporation may have non-public price sensitive information. Requirement laid down under Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992 may be referred in this regard.
- c) All transactions must be of an investment nature and not speculative in nature. Towards this end, all securities purchased must be held for a minimum period of sixty days before they are sold. However, in specific/exceptional circumstances, sale can be effected anytime by obtaining pre-clearance from the Compliance Officer to waive this condition after recording in writing his satisfaction in this regard.

*Explanation.—"securities" for the purposes of this Code shall not include mutual fund units.*

v. **Disclosure of dealings in securities by directors of the stock exchange or clearing corporation.**

- a) All transactions in securities by the directors and their family shall be disclosed to the governing board of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation.
- b) All directors shall also disclose the trading conducted by firms/corporate entities in which they hold twenty per cent. or more beneficial interest or hold a controlling interest, to the Ethics Committee.
- c) Directors who are Govt. of India nominees or nominees of Govt. of India statutory bodies or financial institutions and are governed by their own codes shall be exempt from this requirement.

vi. **Avoidance of conflict of interest.**

- a) No director of the governing board or member of any committee of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation shall participate in any decision

making/adjudication in respect of any person /matter in which he is in any way, directly or indirectly, concerned or interested.

- b) Whether there is any conflict of interest or not in a matter, should be decided by the governing board.

**vii. Disclosures of beneficial interest.**

All directors and key management personnel shall disclose to the governing board, upon assuming office and during their tenure in office, whenever the following arises:-

- a) any fiduciary relationship of self and family members and directorship/partnership of self and family members in any trading member or clearing member;
- b) shareholding, in cases where the shareholding of the director, directly or through his family exceeds 5 per cent. in any listed company or in other entities related to the securities markets;
- c) any other business interests.

**viii. Role of the Chairperson and directors in the day to day functioning of the stock exchange or clearing corporation.**

- a) The Chairperson and directors shall not interfere in the day to day functioning of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation and shall limit their role to decision making on policy issues and to issues as the governing board may decide.
- b) The Chairperson and directors shall abstain from influencing the employees of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation in conducting their day to day activities.
- c) The Chairperson and directors shall not be directly involved in the function of appointment and promotion of employees unless specifically so decided by the governing board.

**ix. Access to information.**

- a) Directors shall call for information only as part of specific committees or as may be authorised by the governing board.
- b) There shall be prescribed channels through which information shall move and further there shall be audit trail of the same. Any retrieval of confidential documents/ information shall be properly recorded.
- c) All such information, especially which is non-public and price sensitive, shall be kept confidential and not be used for any personal consideration/ gain.
- d) Any information relating to the business/operations of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation, which may come to the knowledge of directors/ key management personnel during performance of their duties shall be held in strict confidence, shall not be divulged to any third party and shall not be used in any manner except for the performance of their duties.

**x. Misuse of position.**

Directors/ committee members shall not use their position to obtain business or any pecuniary benefit in the organization for themselves or family members.

**xi. Ethics committee to lay down procedures.**

- a) The ethics committee shall lay down procedures for the implementation of the code and prescribe reporting formats for the disclosures required under the code.
- b) The Compliance Officer shall execute the requirements laid down by the ethics committee.

While the objective of this Code is to enhance the level of market integrity and investor confidence, it is emphasized that a written code of ethics may not completely guarantee adherence to high ethical standards. This can be accomplished only if directors and key management personnel of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation commit themselves to the task of enhancing the fairness and integrity of the system in letter and spirit.

**PART - C**

[See regulation 28]

**Measures to ensure segregation of regulatory departments**

In order to ensure the segregation of regulatory departments, every recognised stock exchange and recognised clearing corporation shall adopt a "Chinese Wall" policy which separates the regulatory departments of the recognised stock exchange or recognised clearing corporation from the other departments. The employees in the regulatory departments shall not communicate any information concerning regulatory activity to any one in other departments. The employees in regulatory areas may be physically segregated from employees in other departments including with respect to access controls. In exceptional circumstances employees from other departments may be given confidential information on "need to know" basis, under intimation to the Compliance Officer.

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT. III/4/69-ZB/12/Exty.]